Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 70
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,10 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

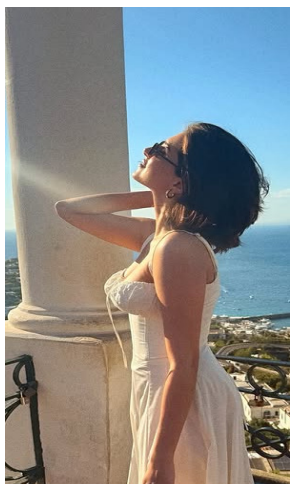

3 राजधानी में जुटे प्रदेश के सभी 17 नगर निगम के | 4 पाकिस्तान विरोधी पॉल कपूर को ट्रंप ने दक्षिण एशिया | 5 बॉयफ्रेंड संग इटली वेकेशन मना मुंबई लौटीं तारा

भारत और ब्रिटेन की साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का आधार

ब्रिटिश पीएम संग बैठक के बाद बोले मोदी

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन को स्वाभाविक साझेदार बताते हुए कहा है कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार है। भारत यात्रा पर आये ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ गुरुवार को यहां राज भवन में व्यापक वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में पीएम मोदी ने कहा कि स्टारमर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पीएम मोदी ने कहा, हमने महत्वपूर्ण खनिज पर सहयोग के लिए एक इंडस्ट्री गिल्ड और सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी की स्थापना का निर्णय लिया है। इसका सेटेलाइट कैंपस आई एस एम, धनबाद में होगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने सैन्य प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी सहयोग का समझौता किया है। इसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर ब्रिटिश वायु सेना में ट्रेनर के रूप में कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी भरोसे, प्रतिभा और प्रौद्योगिकी पर आधारित है। उन्होंने कहा, ₹हमारे संबंधों की नीव में लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन जैसे मूल्यों में साझा विश्वास शामिल है। मोदी ने कहा,₹ मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में, भारत और ब्रिटेन के बीच यह बढ़ती हुई साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार बन रही है। उन्होंने कहा कि आज बातचीत के दौरान दोनों देशों ने हिंद प्रशांत और पश्चिम एशिया में शांति तथा स्थिरता और यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर भी विचार साझा किये। उन्होंने कहा, यूक्रेन कान्फ्लिक्ट और गजा के मुद्दे पर, भारत डायलॉग और डिप्लोमेसी से शांति की बहाली के सभी प्रयासों का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि दोनों देश हिन्द प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सहयोग बढ़ाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री स्टारमर के साथ आये शिक्षा क्षेत्र के अब तक के सबसे बड़े और प्रभावशाली प्रतिनिधिमंडल का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि अब ब्रिटेन की नौ यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलने जा रही हैं।

छह लाख करोड़ रुपए के निवेश से 10,000 किलोमीटर के नए एक्सप्रेसवे बना रही है सरकार: गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार देशभर में छह लाख करोड़ रुपए की लागत से 25 ग्रीनफील्ड (नए) एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही है, जिनकी लंबाई कुल 10,000 किलोमीटर होगी। पीएचडीसीसीआई के 120वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि रणनीतिक जोजिला सुरंग का 75-80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। यह सुरंग लद्दाख क्षेत्र और देश के बाकी हिस्सों के बीच सभी मौसम में संपर्क प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यदि राजमार्ग मंत्रालय अपनी सड़क परियोजनाओं का मौद्रीकरण करता है तो उसे 15 लाख करोड़ रुपए मिलेंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि एक्सप्रेसवे और आर्थिक गलियारों के निर्माण से देश की लॉजिस्टिक्स लागत 16 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा, दिसंबर तक भारत की लॉजिस्टिक्स लागत घटकर नौ प्रतिशत रह जाएगी जिससे भारत को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी। अमेरिका में लॉजिस्टिक्स लागत 12 प्रतिशत, यूरोपीय देशों में 12 प्रतिशत और चीन में आठ से 10 प्रतिशत है। भारत के मोटर वाहन क्षेत्र के बारे में बात करते हुए मंत्री ने कहा, पांच साल के भीतर हमारा लक्ष्य भारत के मोटर वाहन उद्योग को दुनिया में नंबर एक बनाना है। गडकरी ने कहा, जब मैंने परिवहन मंत्री का कार्यभार संभाला था, तब भारतीय मोटर वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपए था। आज भारतीय मोटर वाहन उद्योग का आकार 22 लाख करोड़ रुपए है।

महागठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला जल्द हो जाएगा तैयार: राजेश राम

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव तारीखों की घोषणा के बाद इंडिया ब्लॉक में सीट बंटवारे को लेकर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि महागठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला जल्द तैयार हो जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि गठबंधन में किसी तरह का कोई टकराव नहीं है और महागठबंधन मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा। आईएएनएस से बातचीत में राजेश राम ने बताया कि दिल्ली में हुई कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी ने गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ मिलकर कांग्रेस को आवंटित सीटों पर अंतिम मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि हमने सभी सहयोगी दलों के साथ मिलकर विधानसभा सीटों पर चर्चा की और उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दे दिया। जल्द ही एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी विधानसभा क्षेत्रों और उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि गठबंधन में नए सहयोगी दलों के लिए जगह बनाई जा रही है और तालमेल को अंतिम रूप दिया जा रहा है। राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस ने अपनी सीटों को अंतिम रूप दे दिया है और सीईसी की बैठक में इस पर मुहर लग चुकी है। वीआईपी नेता मुकेश सहनी के बयान पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने और मांग करने का हक है।

बिहार चुनाव: जन सुराज पार्टी की पहली सूची जारी, 51 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में जहां दोनों गठबंधनों, एनडीए और महागठबंधन, में सीट बंटवारे को लेकर स्थिति साफ नहीं हो सकी है, वहीं जन सुराज पार्टी ने गुरुवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। जन सुराज ने बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। जन सुराज के अध्यक्ष उदय सिंह ने प्रेस वार्ता में उम्मीदवारों की सूची जारी की। इस सूची में 51 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम हैं। उन्होंने बताया कि जन सुराज ने वाल्मीकिनगर से दिग नारायण प्रसाद, लौरिया से सुनील कुमार, हरसिद्धि से अवधेश राम, ढाका से लाल बहादुर प्रसाद, सुरसंड से उषा किरण, रुन्नीसैदपुर से विजय कुमार साह, बेनीपट्टी से मोहम्मद परवेज आलम, निर्मली से राम प्रवेश कुमार यादव और सिकटी से राघिब बबलू को प्रत्याशी बनाया है।

सलना गांव के पास हादसा; खाई में गिरा कबड्डी प्रतियोगिता से लौट रहे खिलाड़ियों का वाहन

पोखरी (चमोली) (एजेंसी)। गोपेश्वर में जिला स्तरीय शरदकालीन कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। टीमें वापस लौट रही थीं, इसी दौरान वाहन हादसे का शिकार हो गया। चमोली में देर रात जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता से लौट रहीं छात्राओं का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जिसमें छह छात्राओं सहित आठ लोग घायल हो गए थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोखरी में दो छात्राओं और चालक को श्रीनगर के लिए रेफर किया गया है। सभी घायल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। बुधवार को गोपेश्वर में जिला स्तरीय शरदकालीन कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। बुधवार को ही सभी प्रतियोगिताएं संपन्न होने के बाद टीमें वापस भी लौट गई। पोखरी से अलग-अलग आयु वर्ग में बालक-बालिकाओं की टीमें पहुंची हुई थी। जीआईसी रडुवा चांदनीखाल की छह छात्राओं, खेल शिक्षक, जीआईसी नैल सांकरी के तीन छात्र व शिक्षकों को लेकर वाहन गोपेश्वर से देर शाम को निकला। नैल सांकरी में तीन छात्र व शिक्षक उतर गए। जबकि अन्य छात्राओं को लेकर वाहन आगे जाने लगा। रात आठ बजे सलना गांव से करीब दो किमी पहले चौलांडी गदेरे के पास अचानक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे करीब 45 मीटर गहरी खाई में गिर गया। घटना की सूचना पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को सीएचसी पोखरी पहुंचाया गया। सीएचसी के अधीक्षक डॉ. प्रियम गुप्ता ने बताया कि चालक जय लाल, छात्रा आंचल और पूर्वांशी को गंभीर चोटें आई हैं, उन्हें रात को ही हायर सेंटर श्रीनगर भेज दिया गया था। वहीं, खेल शिक्षक उमेश कुमार, छात्रा दीपा, आरुषी, अनामिका और दीक्षा को प्राथमिक उपचार दिया गया। उन्हें जरूरी जांच के लिए सुबह श्रीनगर भेजा गया। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार ने बताया कि वे लगातार घायलों की जानकारी ले रहे हैं। श्रीनगर बेस अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार सभी घायलों की स्थिति ठीक है और वे खतरे से बाहर हैं। सभी का उपचार चल रहा है।

खेलों से आत्मनिर्भर और सशक्त होगा नया यूपी: सीएम

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि स्वस्थ शरीर ही धर्म और राष्ट्र निर्माण का आधार है और खेलों से नया उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगा। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में योगी ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए भानी देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा की। उन्होने कहा कि खेल अब केवल शौक नहीं, बल्कि जीवन को संवारने का सशक्त माध्यम बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा श झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य और पराक्रम की धरती पर विद्या भारती के 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। विद्या भारती देश में भारतीय परंपरा, संस्कृति और राष्ट्रीयता के प्रति श्रद्धा जगाने वाली अग्रणी संस्था है। 1952 में गोरखपुर में नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित इस संस्था ने आज देशभर में 25 हजार से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भारतीय मूल्यों को बढ़ावा दिया है। उन्होंने विद्या भारती के प्रथम छात्र देवेंद्र सिंह को सम्मानित करते हुए कहा कि यह संस्था बिना सरकारी सहयोग के राष्ट्रीय आदर्शों को जीवंत रखने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि झांसी की यह धरती राष्ट्रीयता और शौर्य की प्रेरणा देती है। विद्या भारती के प्रयास देश को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। समारोह में सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिला। बुंदेली राई नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले शीलू यादव, आदेश सिंह, शहंशाह, बसंत कुमार गोला और संध्या राजपूत को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में अनुशासन ट्रॉफी गोरक्ष प्रांत ग्रामीण की टीम को प्रदान की गई, जबकि ओवर ऑल चौंपियनशिप ट्रॉफी काशी प्रांत नगरीय की टीम ने अपने नाम की।

योगी ने विद्या भारती की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज यह संस्था भारत की परंपरा और संस्कृति को मजबूत करने वाली अग्रणी शक्ति बन चुकी है। 1952 में गोरखपुर की धरती पर राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख द्वारा बोए गए बीज से आज देशभर में 25,000 से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में सेक्युलर दिखाने की होड़ ने भारतीय मूल्यों को हाशिए पर धकेला, लेकिन विद्या भारती ने बिना सरकारी सहयोग के गाँव से शहर और वनवासी क्षेत्रों तक शिक्षा का राष्ट्रीय मॉडल खड़ा किया। उन्होने कहा आज इस वीरभूमि में पहुंचकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। रानी लक्ष्मीबाई ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मेंमेरी झांसी गुलाम नहीं होगीश्का संदेश दिया और 23 वर्ष की आयु में बलिदान दे दिया। मेजर ध्यानचंद ने हॉकी में भारत को दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाया। आज उनके नाम पर भारत सरकार ने खेल रत्न पुरस्कार और प्रदेश सरकार ने मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि विद्या भारती के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है।

हादसा टला, टेकऑफ के समय रनवे से फिसला प्राइवेट जेट

फरुर्खाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में फरुर्खाबाद जिले के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। एक प्राइवेट जेट टेकऑफ करते समय रनवे से फिसलकर पास की झाड़ियों में जा घुसा। गनीमत रही कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। विमान में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस हादसे के दौरान विमान में दो पायलट समेत कुल छह लोग सवार थे। प्राइवेट जेट में एंग्री न्यूट्री पैड प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय अरोड़ा, एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारी सुमित शर्मा और जिला परियोजना अधिकारी (डीपीओ) राकेश टीकू भी मौजूद थे। पायलटों की पहचान कैप्टन नसीब वामल और प्रतीक फर्नांडीज के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सभी लोग भोपाल से फरुर्खाबाद आए थे। उनका उद्देश्य खिमसेपुर औद्योगिक क्षेत्र में बन रही एक बीयर फैक्ट्री के निर्माण कार्य का निरीक्षण करना था। इसके लिए वे प्राइवेट जेट से मोहम्मदाबाद हवाई पट्टी पर पहुंचे।

कांग्रेस के तीन विधायक निलंबित

सोने की परत चढ़ाने में कथित घोटाले का विरोध बनी वजह

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में द्वारपालक मूर्तियों पर चढ़ाई गई स्वर्ण-पल्लवन (सोने की परत) में कथित अनियमितताओं को लेकर राज्य भर की राजनीति में जबरदस्त गर्माहट तेज है। वहीं इस राजनीतिक गर्माहट की गूंज बीते कुछ दिनों से विधानसभा में भी सुनने को मिल रहा है। फलस्वरूप केरल विधानसभा में गुरुवार को लगातार चौथे दिन विपक्ष के विरोध के चलते कार्यवाही बाधित रही। इसके चलते कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ)

के तीन विधायकों को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। बता दें कि निलंबित किए गए विधायकों में रोजी एम जॉन, एम विन्सेंट और सनीश कुमार जोसेफ शामिल हैं। इन तीनों पर विधानसभा के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। इसके बाद विधानसभा में विपक्षी विधायकों के व्यवहार को लेकर संसदीय कार्य मंत्री एम बी राजेश ने प्रस्ताव रखा कि नियमों के उल्लंघन के चलते इन विधायकों को मौजूदा सत्र से निलंबित किया जाए और साथ ही इस प्रस्ताव को सदन ने पारित कर दिया। विधानसभा में विपक्ष का बहिष्कार बता दें कि जब यह प्रस्ताव सदन में पारित किया गया, तब विपक्ष के सदस्य सदन से बाहर थे। दरअसल, विपक्ष ने सुबह की कार्यवाही का बहिष्कार किया था। उनका आरोप है कि सबरीमाला के प्रसिद्ध अयप्पा मंदिर में 'द्वारपालक' (रक्षक देवता) की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने में भारी अनियमितताएं हुई हैं। विपक्ष का कहना है कि अयप्पा मंदिर की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने के काम में घोटाला हुआ है और इसमें गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं।

गोवा में कांग्रेस के साथ गठबंधन से आम आदमी पार्टी का इनकार, दल-बदल की चिंताओं के चलते लिया फैसला

पणजी (एजेंसी)। गोवा में आम आदमी पार्टी (आप) ने स्पष्ट किया है कि वह कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के गठबंधन में नहीं जाएगी। पार्टी ने कहा कि यह निर्णय दल में चचाओं के बाद लिया गया क्योंकि कोई भी यह गारंटी नहीं दे सकता कि कांग्रेस के विधायक भविष्य में फिर से सत्ता में मौजूद भाजपा में शामिल नहीं हो जाएंगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब गोवा आप के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश कलंगुटकर ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इस्तीफे का कारण बताया कि केंद्रीय नेतृत्व ने

2027 के विधानसभा चुनावों में अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन न करने का निर्णय लिया है। कलंगुटकर का मानना है कि इससे विपक्षी वोट बंट जाएंगे और भाजपा को फायदा होगा। हम कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेंगे- पालेकर आप के गोवा अध्यक्ष अमित पालेकर ने बयान में कहा कि राजेश कलंगुटकर ने कांग्रेस के साथ गठबंधन के मुद्दे को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा, 'हमारे पास कई चचाएं हुईं, और हमने स्पष्ट निर्णय लिया कि हम कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। इसका कारण यह है कि कोई यह नहीं बता सकता कि कांग्रेस के विधायक फिर से भाजपा में शामिल नहीं होंगे।'

हर परिवार को सरकारी नौकरी देंगे-चुनाव से पहले तेजस्वी यादव का बड़ा ऐलान

पटना (एजेंसी)। आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले एक बड़ा ऐलान किया है। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव का शंखनाद हो चुका है और बिहार में अब बदलाव होगा। तेजस्वी यादव ने अपनी पहली और सबसे महत्वपूर्ण चुनावी घोषणा करते हुए कहा कि बिहार में जितने भी ऐसे परिवार हैं, जिनके घर में कोई सरकारी नौकरी नहीं है, हम सरकार में आने के 20 दिनों के अंदर अधिनियम लाएंगे और बिहार के हर परिवार को सरकारी

नौकरी देंगे। राजद नेता ने मौजूदा सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि उनकी सरकार उनकी घोषणाओं की नकल कर रही है। उन्होंने कहा, आज यह लोग बेरोजगारी भत्ता देने की बात कर रहे हैं, नौकरी देने की बात नहीं कर रहे। वहीं तेजस्वी ने दावा किया कि 17 महीने की उनकी पिछली सरकार में उन्होंने 5 लाख नौकरियाँ दी थीं। उन्होंने अपनी घोषणा को जुमलेबाजी नहीं बताया और कहा कि यह फिजिबल है। उन्होंने कहा कि उनके पास इसे वैज्ञानिक तरीके से लागू करने का पूरा आँकड़ा और योजना है। तेजस्वी यादव ने कहा कि वह सिर्फ सामाजिक न्याय नहीं, बल्कि उसके साथ आर्थिक न्याय भी करेंगे।

वक्फ संपत्ति पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने की याचिका को मंजूरी, केंद्र ने जताई आपत्ति

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संपत्तियों की अनिवार्य पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने पर विचार के लिए याचिका को सूचीबद्ध करने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले वक्फ-बाय-यूजर प्रावधान को लेकर पहले भी कोर्ट ने अधिनियम की कुछ धाराओं पर रोक लगाई थी। इसके बाद कोर्ट ने गुरुवार को सभी वक्फ संपत्तियों, जिसमें वक्फ-बाय-यूजर भी शामिल है, की अनिवार्य पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने की मांग वाली याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति दी। इससे पहले 15 सितंबर को कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम,

2025 की कुछ मुख्य धाराओं पर अस्थाई रोक लगा दी थी। इनमें यह शर्त शामिल थी कि केवल वे ही वक्फ बना सकते हैं जो पिछले पांच वर्षों से इस्लाम धर्म का पालन कर रहे हों। हालांकि कोर्ट ने पूरी अधिनियम पर रोक लगाने से इनकार किया था और इसे संवैधानिक माना था। वक्फ बाय यूजर पर कोर्ट मामले में अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार का 'वक्फ-बाय-यूजर' प्रावधान हटाने का फैसला गैर-तर्कसंगत नहीं है और यह धारणा कि इससे वक्फ जमीन सरकार द्वारा कब्जा ली जाएगी, गलत है। बता दें कि 'वक्फ-बाय-यूजर' का मतलब है कि यदि किसी संपत्ति का लंबे समय तक बिना रुके धार्मिक या चैरिटेबल कामों के लिए उपयोग हो रहा है, तो उसे वक्फ माना जाएगा, चाहे उसका औपचारिक दस्तावेज न हो। वहीं इस पूरे मामले में असदुद्दीन ओवैसी के वकील नजम पासा ने बताया कि संशोधित कानून के तहत वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए छह महीने का समय दिया गया था, जिसमें से पांच महीने गुजर चुके हैं और अब केवल एक महीना बचा है, इसलिए समय सीमा बढ़ानी जरूरी है। सॉलिसिटर ने सूचीबद्धता से जताई आपत्ति दूसरी ओर, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस याचिका की सूचीबद्धता पर आपत्ति जताई और कहा कि केंद्र को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए।

पूर्वोत्तर रेलवे के पदक विजेता पहलवान

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) द्वारा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराये जा रहे अत्याधुनिक संसाधनों एवं प्रशिक्षणों के फलस्वरूप पूर्वोत्तर

रेलवे के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी है। इसी क्रम में, नई दिल्ली में 07 से 09 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित अखिल भारतीय रेलवे कुश्ती चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे के पहलवानों ने 01 रजत एवं 07 कांस्य पदक सहित कुल 08 पदक जीते। इस तीन दिवसीय चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसके फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे के पहलवान प्रवेश ने रजत तथा गौरव बालियान, सागर, भगवंत, सतीश, रोहित, मनीष एवं धर्मवीर ने कांस्य पदक जीत कर पूर्वोत्तर रेलवे को गौरवान्वित किया। पूर्वोत्तर रेलवे के पहलवानों की इस उपलब्धि पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी चन्द्र विजय सिंह तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

भूस्खलन के कारण निम्नलिखित गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेट/शार्ट ओरिजिनेट कर निम्नवत चलाया जायेगा

गोरखपुर,: जम्मू कश्मीर में भारी वर्षा एवं भूस्खलन के कारण निम्नलिखित गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेट/शार्ट ओरिजिनेट कर निम्नवत चलाया जायेगा।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन-

-कामाख्या से अगले आदेश तक चलने वाली 15655 कामाख्या-श्रीमाता वैष्णों देवी कटरा एक्सप्रेस सहारनपुर में शार्ट टर्मिनेट होगी। यह गाड़ी सहारनपुर से श्रीमाता वैष्णों देवी कटरा के बीच निरस्त रहेगी।

-श्रीमता वैष्णों देवी कटरा से अगले आदेश तक चलने वाली 15656 श्रीमाता वैष्णों देवी कटरा-कामाख्या एक्सप्रेस सहारनपुर से चलाई जायेगी। यह गाड़ी श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा से सहारनपुर के बीच निरस्त रहेगी।

गाड़ियों को नियंत्रित/पुनर्निर्धारित कर निम्नवत चलाया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा रेल संरक्षा को ध्यान में रखते हुये गोरखपुर-डोमिनगढ़ खण्ड पर स्थित समपार संख्या-162 पर रोड ओवर ब्रिज के लिये गर्डर लांचिंग कार्य हेतु ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों को नियंत्रित/पुनर्निर्धारित कर निम्नवत चलाया जायेगा।

-दिल्ली से 09 एवं 15 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 04010 दिल्ली-सीतामढ़ी विशेष गाड़ी मार्ग में 02 घंटा नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-भागलपुर से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15097 भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस वाराणसी मण्डल पर 75 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-आनन्द विहार टर्मिनस से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15530 आनन्द विहार टर्मिनस-सहरसा एक्सप्रेस मार्ग में 50 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-गोरखपुर से चलने वाली 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस विशेष गाड़ी गोरखपुर से 10, 11, 13 अक्टूबर,2025 को 01 घंटा पुनर्निर्धारित कर तथा 15 एवं 16 अक्टूबर,2025 को 45 मिनट विलम्ब से चलाई जायेगी।

-पुणे से चलने वाली 01415 पुणे-गोरखपुर विशेष गाड़ी मार्ग में 09, 10, 12 अक्टूबर,2025 को 75 मिनट तथा 14 एवं 15 अक्टूबर,2025 को 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-दरभंगा से चलने वाली 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष गाड़ी वाराणसी मण्डल पर 09, 11, 13 अक्टूबर,2025 को 60 मिनट तथा 15 एवं 16 अक्टूबर,2025 को 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-छपरा से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर विशेष गाड़ी वाराणसी मण्डल पर 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-तिरूअनन्तपुरम् नार्थ से 08 एवं 14 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 12512 तिरूअनन्तपुरम् नार्थ-गोरखपुर एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-बापूधाम मोतिहारी से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15567 बापूधाम मोतिहारी-आनन्द विहार टर्मिनस वाराणसी मण्डल पर 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-बरौनी से चलने वाली 02563 बरौनी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी वाराणसी मण्डल पर 09 अक्टूबर,2025 को 55 मिनट एवं 15 अक्टूबर,2025 को 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-रक्सौल से चलने वाली 15273 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस वाराणसी मण्डल पर 09 अक्टूबर,2025 को 45 मिनट तथा 15 अक्टूबर,2025 को 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-अमृतसर से 09 एवं 14 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15212 अमृतसर-दरभंगा एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-मथुरा जं0 से 10 एवं 15 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15110 मथुरा जं0-छपरा एक्सप्रेस मथुरा जं0 से 01 घंटा 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

-जम्मू तवी से 10 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 14692 जम्मूतवी-बरौनी एक्सप्रेस मार्ग में 35 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-आनन्द विहार टर्मिनस से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15622 आनन्द विहार टर्मिनस-कामाख्या एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

-आनन्द विहार टर्मिनस से 12 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 14012 आनन्द विहार टर्मिनस-राधिकापुर एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

-गोरखपुर से 13 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 12587 गोरखपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस गोरखपुर से 15 मिनट विलम्ब से चलाई जायेगी।

फूड स्टॉल का निरीक्षण करते हुए निरीक्षक

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के नौवें दिन 09 अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ अहार (क्लीन फूड) थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर अभियान चलाकर फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा खाद्य पदार्थों को स्वच्छ तरीके से तैयार करने हेतु वेंडरों को जागरूक किया गया। 09 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर निरीक्षकों द्वारा रेलवे कैंटीन, रिफ्रेशमेंट रूम, बेस किचेन, फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा खाद्य पदार्थों को स्वच्छ तरीके से तैयार करने हेतु वेंडरों को जागरूक किया गया तथा इस दौरान वेंडरों का चिकित्सीय जाँच की गई। स्टेशनों पर फूड स्टॉल के निकट सूखे एवं गीले कचरे के लिए अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा वेंडरों, यात्रियों एवं कर्मचारियों को कचरे डस्टबिन में डालने हेतु जागरूक किया गया और साफ-सफाई की गई। अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता स्लोगन के बैनर, पोस्टर के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गयी। वाराणसी मंडल के आजमगढ़,बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी जं., छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ एवं प्रयागराज स्टेशनों पर निरीक्षकों द्वारा फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा खाद्य पदार्थों को स्वच्छ तरीके से तैयार करने हेतु वेंडरों को जागरूक किया गया। स्टेशनों पर फूड स्टॉल के निकट सूखे एवं गीले कचरे के लिए अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा कर्मचारियों एवं यात्रियों को कचरे डस्टबिन में डालने हेतु प्रेरित किया गया तथा साफ-सफाई की गई। इस दौरान अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता स्लोगन के बैनर, पोस्टर के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गयी। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर निरीक्षकों द्वारा रेलवे कैंटीन, रिफ्रेशमेंट रूम एवं फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा खाद्य पदार्थों को स्वच्छ तरीके से तैयार करने हेतु वेंडरों को जागरूक किया गया। स्टेशनों पर अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा वेंडरों, यात्रियों एवं कर्मचारियों को कचरे डस्टबिन में डालने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता स्लोगन के बैनर, पोस्टर के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गयी।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 08 अक्टूबर, 2025 को स्टेशन मास्टर की सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बनारस को निगरानी के दौरान स्टेशन यार्ड में 01 वर्ष का बच्चा लावारिस हालत में मिला, जिसे चाइल्ड लाइन, वाराणसी को सुपुर्द किया गया। 08 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर 12 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 08 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गाजीपुर सिटी को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 12669 में महिला यात्री का छूटा एक टेबलेट मिला, जिसे गाजीपुर सिटी पोस्ट पर जमा किया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त टेबलेट सुपुर्द किया गया। 08 अक्टूबर, 2025 को गाड़ी सं0 12562 के रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट को निगरानी के दौरान महिला यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे बलिया पोस्ट पर जमा किया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया। 06 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे बलिया पोस्ट पर जमा किया गया। 08 अक्टूबर, 2025 को यात्री के पिता के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 08 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी बादशाहनगर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 20103 में यात्री का छूटा बैग मिला, जिसे रेलवे सुरक्षा बल चौकी बादशाहनगर पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

पति के अपहरण का आरोप, डीएम से लगाई गुहार

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के दुबौली की मुन्नी देवी ने अपने पति गोमती प्रसाद कन्नौजिया की सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। पुत्री सविता के साथ कलक्ट्रेट पहुंचीं मुन्नी देवी ने अपने पति को शीघ्र सकुशल ढूंढने की मांग की। उन्होंने परिवार समेत 9 अक्टूबर से अनशन की चेतावनी दी। पत्र में कहा है कि गोमती प्रसाद आचार्य रामचंद्र शुक्ल बालिका इंटर कॉलेज अगौना में चपरासी हैं। आरोप लगाया कि विद्यालय के प्रबंधक उनसे रात में ड्यूटी और दिन में घरेलू कार्य कराते थे। इसको लेकर विवाद हुआ था। मुन्नी देवी ने आशंका जताई है कि 3 अक्टूबर की रात प्रबंधक और उनके पुत्रों ने उनके पति का अपहरण करा लिया। आरोप लगाया कि कलवारी पुलिस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रही है। डीआईजी को प्रार्थना पत्र भेजने के बाद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की। इस दौरान रोहित कुमार, डॉ. महेश कुमार, राम सुमेर यादव, कविता आदि उपस्थित रहे।

मौत के अगले दिन पत्नी के नाम पर लिया 75 हजार का लोन

महराजगंज (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के बानपुर गांव में 5 अक्टूबर को अदिति पांडेय की संदिग्ध हालात में मौत ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। तीन दिन बाद भी केस दर्ज नहीं हुआ। इस बीच पता चला कि मृतका के पति ने अदिति के नाम से ऑनलाइन 75 हजार रुपये लोनले लिया। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। संतकबीरनगर जिले के महुला थाना क्षेत्र के खरवनिया के दिलीप चंद्र मणि ने एसपी को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी अदिति की शादी 16 जून 2024 को बानपुर निवासी सुनील पांडेय से हुई थी। शादी और तिलक में कार, 16 लाख रुपये ऑनलाइन, एक लाख नकद और 10 लाख रुपये के जेवर दिए गए थे। इसके बावजूद, ससुराल वाले लगातार और पैसे की मांग कर रहे थे। दिलीप ने बताया कि पांच अक्टूबर की सुबह अदिति ने फोन पर कहा था, ह्लपिताजी, तुरंत आइए, नाश्ते में कुछ जहर दिया गया है ह्व वे जिला अस्पताल पहुंचे, तो अदिति की मौत हो चुकी थी।

दो हजार रुपये घूस लेते नगर निगम का सफाई सुपरवाइजर गिरफ्तार

वाराणसी। एंटी करप्शन टीम की वाराणसी ईकाई ने दो हजार रुपये घूस लेते नगर निगम के सफाई सुपरवाइजर को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से महकमे में हड़कंप मचा है। एंटी करप्शन की टीम ने दो हजार रुपये घूस लेते हुए भेलूपुर चौराहे के पास सतवीरो मंदिर के पास से नगर निगम के सफाई सुपरवाइजर रामचंद्र निवासी खोजवा भेलूपुर को गिरफ्तार कर। एंटी करप्शन टीम के प्रभारी निरीक्षक मैनेजर सिंह ने बताया कि नगर निगम के रेवड़ी तालाब चौकी पर तैनात आउटसोर्स सफाई कर्मचारी महेंद्र निवासी हडौरा थाना इलिया चंदौली का रहने वाला है। महेंद्र सिंह हाजिरी लगवाने के एवज में रेवड़ी तालाब नगर निगम के चौकी पर तैनात सुपरवाइजर रामचंद्र हर माह दो हजार रुपये हाजिरी लगवाने के नाम पर मांग रहा था। पैसा नहीं देने पर उसका वेतन काटने के साथ ही उसे नौकरी से निकलवाने का धमकी देकर पैसे की मांग कर रहा था। 9000 महीना तनख्वाह पाने वाला महेंद्र ने पैसा देने में असमर्थता जताई और मामले की जानकारी एंटी करप्शन को दी। एंटी करप्शन ने घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर कर जेल भेज दिया।

बीएचयू एमएमवी में छात्रा की अचानक मौत

वाराणसी। बीएचयू में महिला महाविद्यालय की एक छात्रा की बृहस्पतिवार को अचानक मौत हो गई। जिससे नाराज छात्राओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने इलाज में देरी का आरोप लगाया है। बीएचयू में महिला महाविद्यालय की एक छात्रा की कैंपस में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इसके विरोध में 100 से ज्यादा छात्राएं सड़क पर उतर आईं। एमएमवी के मेन गेट पर छात्राओं ने नारेबाजी शुरू कर दी है। इस दौरान महाविद्यालय की शिक्षिका और अधिकारियों के साथ जमकर कहासुनी हुई। छात्राओं का आरोप है कि कैंपस में क्लास से ठीक पहले छात्रा की तबियत बिगड़ती है, लेकिन अस्पताल तक ले जाने में देरी की गई। उसे समय से अस्पताल पहुंचाया गया होता तो उसकी जान बच सकती थी।

बिसातखाना धमाके के बाद सख्ती

कानपुर। फजलगंज गुरु नानक मोटर मार्केट में पुलिस ने छापा मारकर छह कुंतल से अधिक अवैध पटाखों का जखीरा पकड़ा। यह गोदाम हिमांशु नामक शख्स ने किराए पर ले रखा था और मौके पर एसीपी सुमित रामटेके सहित अधिकारी मौजूद हैं। कानपुर में पुलिस कमिश्नर द्वारा अवैध पटाखों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश के बाद, गुरुवार को फजलगंज गुरु नानक मोटर मार्केट, गडरियनपुरवा में बड़ी कार्रवाई की गई। यहां एक गोदाम में अवैध रूप से भंडारित पटाखों का जखीरा पकड़ा गया। मौके पर करीब छह कुंतल अवैध पटाखे और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

सोरांव इलाके में एक घर में अवैध तरीके से पटाखा बनाने पर दो गिरफ्तार

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र में एक घर में अवैध तरीके से पटाखा बनाने के धंधे का पदार्फाश हुआ है। पुलिस ने छापा मारकर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मौके से भारी मात्रा में बारूद और पटाखे बरामद किए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

लावारिस बाइक को ग्रामीणों ने पुलिस को सौंपा

दुबौलिया (बस्ती)। थाना क्षेत्र के भिऊरा गांव के निकट राम जानकी मार्ग के किनारे लावारिस मोटरसाइकिल 24 घंटे से खड़ी थी। ग्रामीणों ने पहले बाइक के मालिक की पहचान करने का प्रयास किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची दुबौलिया पुलिस ने मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

छावनी में शांति व्यवस्था भंग करने पर कार्रवाई

छावनी। थाने की पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में एक व्यक्ति पर कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद ने बताया कि ग्राम बंजरिया पांडेय निवासी केवलपता पत्नी कोदई और तिलकराम के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था। समझाने-बुझाने के प्रयास के बावजूद तिलकराम ने शांतिपूर्वक बात नहीं मानी। इसके बाद उनके खिलाफ शांति भंग करने की कार्रवाई की गई।

दौलतपुर में युवती की संदिग्ध हालात में मौत

वाल्टरगंज। थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर में 21 वर्षीय स्नेहा पुत्री सीताराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

120 कृषकों की टीम भ्रमण के लिए भेजी गई कृषि विवि अयोध्या

बस्ती। केंद्र पुरोनिधानित सपोर्ट टू स्टेट एक्सटेंशन प्रोग्राम के तहत 120 कृषकों की टोली भ्रमण के लिए बुधवार को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या रवाना की गई। उप कृषि निदेशक अशोक कुमार गौतम ने हरी झंडी दिखाकर किसानों की टीम को रवाना किया। बताया विवि कुमारगंज अयोध्या में आयोजित प्रौद्योगिकी एवं किसानों का साथ-विकसित उत्तर प्रदेश- 2047 किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए बस्ती के किसानों को भेजा गया है। वहां गन्ना, डेयरी, पशुपालन, कृषि, रेशम उत्पादन आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण दल में कृषि, रेशम विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी विभाग के कृषक राम अछेवर, राम चरन, अजीत कुमार, कन्हैयालाल, एनएफएसएम सलाहकार अजीत त्रिपाठी, अजय शंकर प्रजापति आदि शामिल रहे।

अगौना में आज मनाई जाएगी आचार्य रामचंद्र शुक्ल की जयंती

कलवारी (बस्ती)। बहादुरपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत अगौना में हिंदी साहित्य के महान समालोचक आचार्य रामचंद्र शुक्ल की 141वीं जयंती नौ अक्तूबर (बृहस्पतिवार) को मनाई जाएगी। यह आयोजन आचार्य रामचंद्र शुक्ल बालिका इंटर कॉलेज, अगौना में किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल होंगे। यह जानकारी विद्यालय के प्रबंधक व कार्यक्रम आयोजक डॉ. कृष्ण प्रसाद मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम सुबह 11:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक चलेगा। जयंती समारोह में विद्यालय की बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, विचार गोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। डॉ. मिश्र ने क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

महिला प्रधानों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आज से

गौर। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत सशक्त पंचायत नेत्री अभियान के तहत गौर ब्लॉक की छह महिला ग्राम प्रधानों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। बृहस्पतिवार से सांऊघाट ब्लॉक सभागार में प्रशिक्षण प्रारंभ होगा। गौर ब्लॉक की जिन महिला ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, उनमें पेड़ार की शीला देवी, रानीपुर बाबू की कैलाशपति, बेलघाट की उर्मिला देवी, बेलसड़ की नीलम देवी, दुबौला की अनार देवी और बावरपारा की शहीदुननिशा शामिल हैं। एडीओ पंचायत श्याम बिहारी ने बताया कि यह प्रशिक्षण महिला प्रधानों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एक्सईएन कार्यालय पर सिंचाई संघ ने दिया धरना

बस्ती। सिंचाई संघ के सदस्यों ने एक्सईएन नलकूप कार्यालय के समक्ष धरना दिया। कई संगठनों ने संघ की मांगों का समर्थन किया। एक्सईएन से दूरभाष पर वार्ता के बाद धरने को अस्थायी रूप से स्थगित किया गया। जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने कहा कि संघ ने कार्यालय को 9 सूत्रीय मांग पत्र भेजा था। पत्र में स्पष्ट किया गया था कि एक्सईएन कार्यालय में किसी भी समय वार्ता कर सकते हैं। हालांकि, धरने के दौरान अधिकारी कार्यालय में उपस्थित नहीं थे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि एसीपी की ओर से स्वीकृति का पत्र जारी तो किया गया, लेकिन किसी कर्मचारी को यह पत्र प्राप्त नहीं हुआ और वेतन वृद्धि भी लागू नहीं हुई। सिचाई संघ ने आरोप लगाया कि सींच पर्ववेक्षकों के रिक्त आठ पदों पर पदोन्नति तभी संभव है जब नलकूप चालकों की वरिष्ठता सूची तैयार हो। अभी तक सूची तैयार नहीं होने के कारण कोई भी मांग पर निर्णय नहीं लिया गया। धरने में सिचाई संघ के संरक्षक राम स्वास्थ्य चौधरी, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पूर्व पान्तीय अध्यक्ष अमर नाथ सिंह, पूर्व जिला मंत्री गौरी शंकर, राज्य कर्मचारी महा संघ के जिलाध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, पंचायत राज विभाग कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष महेंद्र कुमार चौहान, सिचाई संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष परशुराम त्रिपाठी, मिनिस्टीरियल संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह सहित अन्य कर्मचारी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अपर गन्ना आयुक्त से मिला भाकियू का प्रतिनिधिमंडल

हरैया। भेलमापुर गांव में गन्ना क्रय केंद्र खोले जाने की मांग को लेकर तहसील में 20 दिनों से धरना दे रहे भाकियू कार्यकताओं का प्रतिनिधि मंडल बुधवार को लखनऊ में गन्ना आयुक्त से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने किसानों की मांगों व पूर्व में समिति व भाकियू के बीच हुई सहमति का पत्र देकर मामले का हल निकालने की मांग की। भाकियू के मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह व जिलाध्यक्ष गौरी शंकर के साथ भाकियू कार्यकताओं अपर गन्ना आयुक्त बीएल कन्नौजिया से भेलमापुर में गन्ना क्रय केंद्र स्थापित करने मांग को लेकर वार्ता की। धरना दे रहे किसानों से जुड़ा मांग पत्र अपर गन्ना आयुक्त को सौंपा। मंडल अध्यक्ष ने बताया कि अपर आयुक्त को प्रकरण से अवगत कराया गया है।भाकियू का धरना बीसवें दिन भी जारी रहा।

20 तक कर सकेंगे एकता पुरस्कार के लिए आवेदन

बस्ती। वर्ष 2025-26 में गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने बताया कि मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को एक लाख रुपये एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आवेदन के लिए पात्र व्यक्ति भारत का मूल नागरिक, उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए। इस संबंध में जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारी और खंड विकास अधिकारियों को आवेदन पत्र उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया है।

ट्रंप-शी बैठक से पहले चीन का बड़ा कदम; रेयर अर्थ के निर्यात को लेकर लागू किए सख्त नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच इस महीने के अंत में होने वाली बैठक से पहले चीन ने बड़ा कदम उठाया गया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी नियमों के अनुसार, अब विदेशी कंपनियों को ऐसे किसी भी उत्पाद का निर्यात करने से पहले विशेष मंजूरी लेनी होगी, जिसमें चीन से प्राप्त रेयर अर्थ तत्वों की थोड़ी भी मात्रा शामिल हो। चीन ने रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिज) और उनसे जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की। इससे इन महत्वपूर्ण तत्वों पर नियंत्रण और सख्त हो गया है। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच इस महीने के अंत में होने वाली बैठक से पहले उठाया गया है। डॉ. हिरानंदानी निर्यात करने से पहले लेनी होगी विशेष मंजूरी चीन के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी नियमों के अनुसार, अब विदेशी कंपनियों को ऐसे किसी भी उत्पाद का निर्यात करने से पहले विशेष मंजूरी लेनी होगी

संक्षिप्त समाचार

15 दिवस में संस्थानों को बाहर लिखना होगा विवरण

ग्वालियर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के क्षेत्रीय आयुक्त सत्यवर्धन गौतम ने जिले के सभी संस्थानों से अपील की है कि वह 15 दिवस के भीतर संस्थानों का पूर्ण विवरण बाहर प्रदर्शित करें। यह जानकारी उचित स्थान पर प्रदर्शित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि में पालन नहीं होने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। ग्वालियर जिले में इन संस्थानों की संख्या 13 हजार से अधिक है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठनों को इस कार्य के निर्देश जारी किए हैं कि संस्थान मालिक अपने मुख्य द्वार पर अपनी आधिकारिक वेबसाइट एवं मोबाइल एप्लिकेशन को प्रमुखता से प्रदर्शित करें। जिसमें ईपीएफ कोड, पंजीकृत नाम आदि शामिल होना चाहिए।

सभापति ने किया सीसी रोड निर्माण का भूमि पूजन

ग्वालियर। सभापति मनोज सिंह तोमर ने वार्ड 55 में अवाड़पुरा मीट मार्केट में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन क्षेत्रीय रहवासी बुजुर्गो और बच्चियों के साथ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। भूमि पूजन के अवसर पर सभापति मनोज सिंह तोमर ने कहा कि सीसी रोड बनने से क्षेत्रवासियों को उसका लाभ मिलेगा। साथ ही उन्होंने आमजन से शहर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरा भरा बनाये रखने के लिए स्वच्छता में सहयोग करने की अपील की। इसके साथ ही अधिकारियों को रोड के निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ बनाए जाने के लिए निर्देशित किया।

11 से 15 तक परिवर्तित मार्ग से चलेंगी ट्रेनें

ग्वालियर। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के उज्जैन रेलवे स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य किया जाना है। इसके चलते रेल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही है। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए 11 से 15 अक्टूबर तक प्रस्तावित ब्लॉक चलेगा। इस दौरान रतलाम मंडल से आने वाली और वहां से चलने वाली कई ट्रेनें प्रभावित होंगी। इनमें से कई को निरस्त किया गया है। वहीं कुछ का मार्ग परिवर्तित या आंशिक रूप से रद्द किया गया है। डॉ. अम्बेडकर से आने वाली मालवा एक्सप्रेस 11 से 15 अक्टूबर तक डॉ. अम्बेडकर नगर-इंदौर -फतेहाबाद - उज्जैन -मक्सी -संत हिरदाराम नगर होते हुए ग्वालियर आएगी। इस ट्रेन का देवास में ठहराव नहीं रहेगा। वहीं दौंड से आने वाली ट्रेन नगदा -कोटा -रुठियाई होते हुए ग्वालियर पहुंचेगी। इस ट्रेन का उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, ब्यावरा राजगढ़ ठहराव नहीं होगा। ट्रेनों का संचालन प्रभावित होने से रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है।

वाहन रोज समय पर निकलें, किसी भी सड़क पर न दिखें कचरे के ढेर

■ ग्वालियर

दीपावली के पर्व पर साफ सफाई अभियान हर घर में चलता है तथा आम दिनों की अपेक्षा इन दिनों कचरा बहुत अधिक निकल रहा है। हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि ग्वालियर शहर को साफ व स्वच्छ रखें तथा सभी संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी एवं जोनल स्वास्थ्य अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शहर की सड़कों पर कचरा न दिखे, प्रतिदिन समय पर वाहन निकलें और समय पर कचरा उठकर कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर पहुंच जाए। कार्य में लापरवाही करोगे तो कार्रवाई की जाएगी।

यह निर्देश अपर आयुक्त टी.प्रतीक राव ने सफाई व्यवस्था को लेकर आयोजित बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को दिए। बाल भवन के टीएलसी में आयोजित समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने विधानसभा वार स्वास्थ्य अधिकारियों से क्षेत्र में आने वाले कचरे एवं सफाई व्यवस्था को लेकर जानकारी ली तथा सभी को स्पष्ट निर्देश दिए कि जो भी अतिरिक्त संसाधन चाहिए अभी बता दें, उन्हें उपलब्ध कराएं जाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि सफाई व्यवस्था में कोई लापरवाही हुई तो बर्दाश्त नहीं होगा। सभी क्षेत्रों में प्रतिदिन समय पर वाहन पहुंचें एवं प्रतिदिन कचरा उठे।

व्यावसायिक क्षेत्रों में देर रात्रि तक कार्य करें

बैठक में कार्यशाला प्रभारी को निर्देश दिए कि उन्हें जो अतिरिक्त संसाधन चाहिए उन्हें उपलब्ध कराएं तथा यह भी सुनिश्चित करें कि सभी क्षेत्रों में समय पर कचरा वाहन पहुंचे और सभी वाहन प्रतिदिन की अपेक्षा ज्यादा चक्कर लगाएं तथा सेकेंडरी वाहन भी अतिरिक्त चक्कर लगाकर कचरा उठायें। वहीं रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को लेकर कहा कि सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में देर रात्रि तक कार्य करें तथा कहीं भी बाजारों में कचरा न दिखे।

बैठक में यह भी निर्देश दिए

- पेड़ों की कटिंग से निकलने वाले कचरे के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखकर अवगत कराने एवं पार्क विभाग को निर्देशित किया।
- ठेले वाले ज्यादातर डस्टबिन नहीं रखते हैं तथा कचरा सड़क पर फैलाते हैं अभियान चलाकर निरीक्षण करें और स्पॉट फाइन करें।
- भवन अधिकारी अपने - अपने क्षेत्र में प्रतिदिन निरीक्षण करें जहां भी सीएंडडी वेस्ट डला हो वहां संबंधित पर जुर्माना करें तथा सीएंडडी वेस्ट उठाने की कार्यवाही करें।

महंगाई: सब्जी के दामों ने बिगाड़ा रसोई का बजट

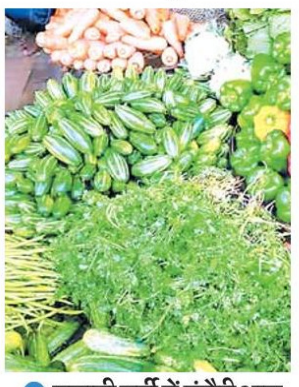

● गुलाबी सर्दी में इंदौरी आलू और मैथी की दस्तक

■ ग्वालियर

पूरे देश सहित शहर में जीएसटी कम हो गई हो, लेकिन सब्जी के महंगे दामों ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। इस समय सभी सब्जियां महंगी बिक रही हैं। वहीं इस गुलाबी सर्दी में इंदौरी आलू, मैथी और हरी मटर ने अपनी दस्तक दे दी है। कॉलोनी और टॉउनशिप में तो यह सब्जियां बहुत महंगी मिल रही हैं। सब्जी कारोबारियों के अनुसार दीपावली के बाद नवंबर माह से सब्जियों के दाम कम होना शुरू हो जाएंगे।

सब्जियों के बढ़े हुए दाम

सब्जी	मंडी	कॉलोनी
इंदौरी आलू	40	60
पुराना आलू	16-20	25-30
मैथी	120	200
धनियां	150	200
हरी मटर	150	200
सोजना की फली	150	240
टमाटर	30	40-50
गोभी	50	80
तोरई	60	80
कद्दू	30	40
ककोड़ा	150	200

इनका कहना है

'सब्जियों की आवक बहुत कम है। पुरानी सब्जी जा रही है और नई सब्जी आ रही है इसलिए दाम अधिक हैं।'

प्रेम कुशवाह, सब्जी विक्रेता

'नई सब्जियों की आवक शुरू हो गई है। दीपावली के बाद सभी सब्जियां सस्ती हो जाएंगी जिससे लोगों के पैसों की बचत भी होगी।'

स्माईल राईन, सब्जी विक्रेता

रेडिएशन सुरक्षा के नियमों का सख्ती से करें पालन, आपातकालीन द्वार खाली कराएं

अधिष्ठाता ने रेडियोलॉजी में अनियमितताओं पर जताई नाराजगी

■ ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के.एस. धाकड़ ने बुधवार को जयारोग्य अस्पताल समूह के हजार बिस्तर अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग का औचक निरीक्षण किया और गंभीर लापरवाही सामने आने पर तुरंत सख्त निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि एक्स-रे कक्ष के बाहर और भीतर मरीजों और अटेंडरों की भारी भीड़ लगी हुई थी। डॉ. धाकड़ ने एक्स-रे तकनीशियनों को चेतावनी दी कि रेडिएशन सुरक्षा के नियमों का पालन न करना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एक्स-रे कक्ष में केवल वही व्यक्ति मौजूद रहे, जिसका एक्स-रे होना है, ताकि अन्य मरीज और अटेंडर अनावश्यक रेडिएशन के संपर्क में न आएं।इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल परिसर का निरीक्षण करते हुए देखा कि एक गेट पर आपातकालीन द्वार लिखा था, लेकिन वह बंद था और उसके बाहर कर्मचारियों की गाड़ियां खड़ी थीं। डॉ. धाकड़ ने इस लापरवाही पर नाराजगी जताई और सहायक अधीक्षक डॉ. एम.एल. माहौर को आदेश दिया कि यह द्वार तुरंत खाली कराया जाए ताकि आपात स्थिति में उसका सही उपयोग किया जा सके।

डॉ. धाकड़ ने यह भी कहा कि गेट पर सिर्फ नाम लिखने से आपातकालीन द्वार काम नहीं करेगा, बल्कि इसकी वास्तविक उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए इसे हमेशा खुला और बाधा मुक्त रखना अनिवार्य है। अधिष्ठाता ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में मरीजों की सुरक्षा और रेडिएशन नियंत्रण प्राथमिकता होनी चाहिए।

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन का युवा महोत्सव 1 को

ग्वालियर। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा दो दिवसीय नवचेतना युवा शक्ति महोत्सव का आयोजन आगामी 1 और 2 नवंबर को आईआईटीटीएम में किया जाएगा। इस महोत्सव का पोस्टर ग्वालियर लोकसभा सांसद भारत सिंह कुशवाह ने लॉन्च किया। महोत्सव में विद्यालय और महाविद्यालय स्तर के छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें पेंटिंग, भाषण, क्विज सहित कई रचनात्मक और ज्ञानवर्धक गतिविधियां शामिल होंगी। सांसद ने कहा कि यह महोत्सव युवाओं को अपनी रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का अवसर देगा। इस अवसर पर संस्था संयोजक आकाश त्रिपाठी, संस्थापक आकाश बरूआ, आशुतोष शर्मा और राहुल घुरैया भी मौजूद रहे।

माखीजानी बने सिंधु महापंचायत के अध्यक्ष

■ ग्वालियर

सिंधी महापंचायत ग्रेटर ग्वालियर के चुनाव में कमल माखीजानी निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। चुनाव अधिकारी पीतांबर लोकवानी की देखरेख में चुनाव हुए। श्री माखीजानी ने कहा कि समाज को एक नई दिशा देने के लिए नवाचारों की आवश्यकता है। सिंधी महापंचायत प्राथमिकता के आधार पर सिंधु भवन के निर्माण की दिशा में सार्थक प्रयास करेगी। क्योंकि यह समाज की महिती आवश्यकता है। जनसुनवाई के माध्यम से सिंधी समाज के आमजन की समस्याओं के निराकरण का अभियान चलाया जाएगा। समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास के तहत स्व सहायता समूह से उनको जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही मैट्रिमोनी एप बनाकर विवाह रिश्तों को मूर्त रूप दिया जाएगा। इसी एजेंडा को लेकर सिंधी महापंचायत समाज की नई दिशा तय करेगी। चुनाव में ओमप्रकाश पार्पयानी संयुक्त अध्यक्ष, सुभाष खुशीरामानी स्वागत अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दिलीप पंजवानी, संतोष वाधवानी, भगवानदास लखवानी, उपाध्यक्ष महेश गुलवानी, चंद्रकांत ढींगरा, रमेश बजाज, दिलीप गेही, डॉ. गिरधारी वाधवानी, शंकर पंजवानी, महासचिव, गोपाल मोटवानी, स्वागत सचिव डॉ. दीपक माखीजानी, संयुक्त सचिव, श्याम रोहिरा, सुरेश आहूजा, अनिल नत्थानी, जयराम ठक्कर, हर्ष मोरियानी, संगठन सचिव, चंद्रकुमार फुलवधिया, शंकर लोकवानी, कोषाध्यक्ष, संगीत पार्प्यानी, सह कोषाध्यक्ष, राजेश कालरा, ऑडिटर, डॉ. हरीश खुशीरमानी चुने गए। इसके अलावा मार्गदर्शक मंडल में डॉ. रमेश पंजवानी, सुरेश खत्री, आनंद करारा, डॉ. भीष्म जैसवानी, दीनदयाल कुकरेजा, विजय काकवानी, डॉ. किशोर मगनानी एवं उथवदास चांदवानी को नामित किया गया।

दीवाली हाट में हुई भरपूर बिक्री मिला सुरक्षा का आश्वासन

■ ग्वालियर

नारी कल्याण उद्योग सहकारी समिति द्वारा नारी कल्याण परिसर खासगी बाजार में आयोजित तीन दिवसीय दीवाली हाट का समापन हो गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रभारी नगर निरीक्षक मोहिनी वर्मा थीं। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने महिलाओं द्वारा हाथ से बनाए सामान की तारीफ की और महिलाओं को सुरक्षा का आश्वासन दिया। दीवाली हाट में हाथ से बने सामान की भरपूर बिक्री हुई जिससे महिलाओं में भारी उत्साह रहा। इस कार्यक्रम में अलका शुक्ला, रजनी खेड़कर, सुमन मिश्रा, अरुणा गंगाजलीवाले, किरण धर्माधिकारी, अस्मिता जोशी, रामवती गुप्ता, वासवदत्ता अग्निहोत्री का विशेष सहयोग रहा।

जेसी मिल मजदूरों की बकाया देनदारी को लेकर कांग्रेस ने निकाला मशाल जुलूस

भाजपा सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में नारेबाजी की

■ ग्वालियर

जेसी मिल मजदूरों के बकाया भुगतान एवं देनदारियों को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को चार शहर का नाका से मशाल जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा और शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव के नेतृत्व में जेसी मिल मजदूरों एवं कांग्रेसियों ने चार शहर नाका चौराहे से हजीरा चौराहे तक मशाल जुलूस निकालकर भाजपा सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में नारेबाजी की। शर्मा ने कहा कि पिछले कई सालों से भाजपा सरकार के कारण लगभग 8 हजार जेसी मिल मजदूर अपनी मेहनत की कमाई पाने के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहा है। कई मजदूर भाई अपनी बकाया देनदारी को मांगते दुनिया छोड़कर चले गए, लेकिन सरकार ने मजदूरों की कोई सुध नहीं ली।

हर चुनाव में मजदूरों को झूठा आश्वासन देते हैं और उनका वोट ले लेते हैं लेकिन मजदूर वहीं के वहीं अपने पैसे की आस में खड़ा रह जाता है। कांग्रेस पार्टी मजदूरों का हक दिलाकर रहेगी।शहर अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतने के लिए झूठे वादे करती है ।उन्होंने कहा पिछले लगभग 28 साल से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और इतने ही समय से मजदूर परेशान हो रहा है।

उन्होंने कहा कि जब तक हम मजदूर को उनका हक नहीं दिला देते चैन से नहीं बैठेंगे न ही सरकार को चैन से बैठने देंगे। मशाल जुलूस में मुनेंद्र सिंह भदौरिया, देशराज राजावत, राम खिलाड़ी सिकरवार,दर्शन मिश्रा, वीरेंद्र तिवारी, राजेंद्र परिहार, लखपत सिंह चौहान, राजू भदोरिया राधेश्याम शर्मा, लक्ष्मी नारायण कुशवाहा, राजेश खान, नवीन भदकारिया, पार्षद मनोज राजपूत, शकील मंसूरी आदि शामिल रहे।

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने दिया ज्ञापन

■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने बुधवार को जिलाधीश के नाम ज्ञापन दिया। जिसमें जिले के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में सेवाएं दे रहे आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मियों का 11 माह का बकाया परिश्रमिक एवं दीपावली त्योहार पर एक माह का अतिरिक्त बोनस राशि वेतन के साथ भुगतान करने की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मियों का वेतन प्रत्येक माह की 5 तारीख तक नियमित रूप से भुगतान किया जाए।

साथ ही, 1 अप्रैल 2024 से हुई वेतनवृद्धि के अनुसार 11 माह का बकाया परिश्रमिक शीघ्र दिया जाए। इसके अलावा श्रम विभाग के नियमों के अनुसार दीपावली त्योहार पर एक माह का बोनस राशि भी दी जाए। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि ईपीएफ व ईएसआई की राशि समय पर जमा नहीं हो रही है, जिससे कर्मचारियों को परेशानी हो रही है। इसे प्रत्येक माह नियमित रूप से जमा कराने की मांग भी की गई है।

पुलिस ने 24 घंटे में किया पर्दाफाश

सेवानिवृत्त फौजी के घर गोलियां चलाने वाले बदमाश पकड़े

■ ग्वालियर

हजीरा थाना क्षेत्र में सेवानिवृत्त फौजी के घर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर दहशत फैलाने वाले बदमाशों को पुलिस ने चौबीस घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों से पुलिस ने घटना में इस्तेमाल अधिया भी बरामद कर ली है। नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा नागेन्द्र सिंह सिकरवार ने बताया कि पीताम्बरा कॉलोनी गदाईपुरा निवासी रामौतार सिंह पुत्र उदयसिंह सिकरवार सेवानिवृत्त फौजी है। मंगलवार की रात को बदमाशों ने गोलियां चलाकर दहशत फैला दी थी। पुलिस को जब घटना के बारे में पता चला तो मौके पर पहुंची और जब सीसीटीवी चेक किए तो बदमाश उसमें गोलियां चलाते हुए कैद हो गया था जबकि साथी भी पास खड़ा हुआ था। घटना के बाद से ही पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी हुई थी। बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली कि गोलियां चलाने वाले संदिग्ध बदमाश बंद जेसी मिल के अंदर छिपे हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर बदमाशों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने दोनों बदमाशों को घेराबंदी कर दबोच लिया। बदमाशों की पहचान दीपक उर्फ दीपू पुत्र जंडेल सिंह किरार 23 वर्ष निवासी चौड़े के हनुमान नगर हजीरा और विशाल पुत्र सुरेश किरार 20 वर्ष निवासी गौसपुरा नं.एक के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में दोनों बदमाशों ने गोलियां चलाने की घटना करना स्वीकार किया। पुलिस ने अवैध अधिया बरामद करने के बाद अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ शुरु कर दी है।

जहां चलाईं गोलियां वहां सिर झुकाकर चले

रंगदारी करते हुए रुपयों की मांग करने वाले बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस बदमाशों को उस स्थान पर ले गई जहां पर उन्होंने गोलियां चलाकर दहशत फैलाई थी। पुरानी छावनी थाना प्रभारी संतोष सिंह यादव ने बताया कि मोतीझील पहाड़िया पर मकान बना रहे फरियादी से बदमाशों ने मकान बनाने और रहने के एवज में रंगदारी करते हुए पचास हजार रुपए नहीं देने पर गोलियां चलाई थीं। पुलिस घटना के बाद से ही आदतन अपराधियों की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस ने दोनों बदमाशों को पुरानी छावनी से पकड़ लिया। पकड़े गए बदमाश सूरज उर्फ लालू यादव निवासी निरावली और देवेंद्र उर्फ देवा यादव निवासी मोतीझील पहाड़िय को पुलिस वहां पर ले गई जहां पर उन्होंने गोलियां चलाकर दहशत फैलाई थी। बदमाश रास्ते में सिर झुकाकर चल रहे थे जबकि लोग उनको देखकर पुलिस के काम की सराहना कर रहे थे।

वार्ड में विकास को नई दिशा मिलेगी

वार्ड 66 में विकास कार्यों का भूमिपूजन

■ ग्वालियर

ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 66 में बुधवार को पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर ने क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। दोपहर 12:30 बजे नौगांव स्कूल के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर पार्षद श्रीमती गुर्जर ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र का विकास प्राथमिकता में है और विद्यालय के पुनर्निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के हर विद्यालय को सुविधाओं से सुसज्जित करने का प्रयास किया जा रहा है।

इसके बाद मेहताब सिंह का पुरा ग्राम नौगांव में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। पार्षद ने कहा कि सामुदायिक भवन बनने से ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए एक उपयुक्त स्थल उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा स्वीकृत इन कार्यों से वार्ड में विकास की नई दिशा मिलेगी और आने वाले समय में अन्य आवश्यक कार्य भी प्राथमिकता से कराए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय नागरिकों ने पार्षद का स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

सम्पादकीय

कुछ पता तो करो चुनाव है क्या

सियासत की जिस चालाकी को राहत इंदौरी साहब ने बहुत पहले भांप लिया था, वह अब भी कायम है, बल्कि पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। अब सरहदों पर ही नहीं, देश के भीतर भी चुनाव आते ही तनाव बनाए जाने की शुरूआत हो जाती है। कुछ वक्त पहले बरेली में आई लव मोहम्मद के पोस्टर पर ऐसा बवाल खड़ा हो गया कि जुमे की नमाज का वक्त तनावपूर्ण हो गया। अपने आराध्य से प्रेम का इजहार कोई नयी बात नहीं है। गोरी सोवै सेज पर, मुख पर डारे केस। चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहुं देस, से लेकर मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई, जाके सर मोर मुकुट मेरो पति सोई, जैसे भक्तिपद इस देश में सदियों से लिखे जाते रहे और इन पर कभी किसी ने कोई आपत्ति नहीं की। न ही कभी दूसरे की भक्ति का मखौल बनाने के लिए अपने आराध्य से मोहब्बत दिखाई गई। लेकिन अब आई लव मोहम्मद को जवाब देने के लिए आई लव विष्णु, आई लव राम, यहां तक कि आई लव योगी और आई लव बुलडोजर तक के पोस्टर बन गए। हालांकि ऐसा करने वाले लोग इस बात को समझ नहीं पाए कि नफरत दिखाने के लिए भी उन्हें मोहब्बत का ही सहारा लेना पड़ा। बहरहाल, नफरत बनाम मोहब्बत के इस सियासी खेल में भावनाओं की नहीं सत्ता साधने की चालाकी नजर आ रही है। पाठक जानते हैं कि कर्नाटक चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने बजरंग दल पर प्रतिबंध को बजरंग बली के अपमान से जोड़ा था और मतदाताओं से अपील की थी कि बजरंग बली के नाम पर ही वोट दें। हालांकि उनकी ये अपील कर्नाटक के लोगों ने नहीं सुनी। अन्य राज्यों में भी श्री मोदी ऐसे ही भड़काऊ अपीलें कर चुके हैं। कपड़ों से पहचानना और श्मशान-कब्रिस्तान इस देश के लोगों को याद है। पिछले झारखंड चुनावों में बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर मुसलमानों के कब्जे वाला एक वीडियो भाजपा ने जारी किया था, जिसमें शिकायत के बाद रोक लगी थी। अब ऐसे ही सांप्रदायिक नफरत वाला वीडियो असम में प्रसारित हो रहा है, जहां अगले साल चुनाव है। वैसे कुछ दिनों में बिहार चुनाव भी है, जहां भाजपा हिंदुत्व का कार्ड चालाकी से खेल रही है, लेकिन विपक्ष में बैठे महागठबंधन और खासकर लालू प्रसाद की आरजेडी के सामने उसे सांप्रदायिक खेल खेलने के लिए खुला मैदान नहीं मिल रहा है। मगर असम में भाजपा ने ये खेल अभी से शुरू कर दिया है। एक वीडियो अभी वहां सोशल मीडिया पर काफी चला, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार किया गया है। इसमें असम पर मुस्लिम लोगों द्वारा कब्जा किए जाने का एक मनगढ़ंत और अपमानजनक परिदृश्य दिखाया गया है और इसे उस कथित भविष्य से जोड़ा गया है जो भाजपा के आगामी चुनाव हारने पर घटित हो सकता है। इस वीडियो को हटाने के लिए कु र्बान अली और वरिष्ठ अधिवक्ता अंजना प्रकाश ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर बुधवार को सुनवाई हुई। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने भाजपा की असम इकाई से इस पर जवाब मांगा है। याचिका में कहा गया है कि भाजपा असम इकाई ने 15 सितंबर 2025 को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो प्रसारित किया, जिसमें यह भ्रामक और झूठा नैरेटिव दिखाया गया कि यदि भाजपा सत्ता में नहीं रही तो मुसलमान असम पर कब्जा कर लेंगे। याचिकाकताओं ने अदालत में कहा कि, आगामी चुनावों के सिलसिले में एक वीडियो पोस्ट किया गया हैश इसमें दिखाया गया है कि अगर एक खास राजनीतिक दल सत्ता में नहीं आता है, तो एक खास समुदाय सत्ता संभालेगाश इसमें टोपी और दाढ़ी वाले लोग दिखाई दे रहे हैंश (अदालत के निर्देशों के अनुसार) स्वतरू संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज की जानी चाहिएश अगर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है, तो अवमानना की कार्रवाई की जानी चाहिए। याचिका में तर्क दिया गया कि राज्य सरकार सभी समुदायों की संरक्षक होती है और संविधान उसे धर्म, जाति, भाषा, लिंग या नस्ल के आधार पर भेदभाव करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करता है, इस प्रकार एक निर्वाचित सरकार पर निष्पक्ष, न्यायसंगत और धर्मनिरपेक्ष बने रहने का दायित्व और भी अधिक होता है। इस वीडियो को तुरंत हटाया जाना आवश्यक है ताकि सांप्रदायिक वैमनस्य, अशांति और नफरत के और प्रसार को रोका जा सके। अब इस पर अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को होगी। इस सुनवाई का नतीजा चाहे जो निकले, लेकिन भाजपा तो अभी से समाज को यह फैसला सुनाने का माहौल बना रही है कि मुसलमान इस देश के नहीं हैं और भाजपा सत्ता में रहेगी, तभी उन्हें कब्जा करने से रोका जा सकेगा। हालांकि ऐसे मूर्खतापूर्ण वीडियो बनाने वालों से पूछा जा सकता है कि पहले इक्का-दुक्का राज्यों में भाजपा की सत्ता होती थी, और केंद्र में भी 96 के बाद से वह काबिज हुई है, तो उस दौरान कांग्रेस या अन्य दलों की सरकारें जब होती थीं, तब किस जगह पर मुसलमानों ने कब्जा किया या ऐसी नीयत दिखाई। दरअसल न हिंदू, न मुसलमान, न सिख, न ईसाई कभी भी किसी धर्म के लोगों ने किसी इलाके पर कब्जे की नीयत दिखाई है, क्योंकि आम भारतीय नागरिक संविधान को मानते हुए चुनाव में भागीदारी करता है और अपनी चुनी हुई सरकार बनाता है।

पाकिस्तान विरोधी पॉल कपूर को ट्रंप ने दक्षिण एशिया का प्रभारी बनाकर इस्लामाबाद को झटका दे दिया

पॉल कपूर की नियुक्ति न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारत के लिए एक बड़ी रणनीतिक राहत के रूप में देखी जा रही है। पॉल कपूर, जो लंबे समय से दक्षिण एशियाई सुरक्षा, परमाणु नीति और आतंकवाद पर अपने कठोर विश्लेषणों के लिए जाने जाते हैं, अब उस पद पर आसीन हुए हैं जहाँ से अमेरिका की भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के प्रति नीतियाँ तय होती हैं। यह नियुक्ति ऐसे समय आई है जब अमेरिकी नीतियों में भारत के प्रति तनाव दिखने लगा था– विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क और व्यापारिक मतभेदों के कारण। ऐसे में कपूर की नियुक्ति अमेरिका-भारत संबंधों के लिए कूटनीतिक मरहम के रूप में मानी जा रही है। कौन हैं पॉल कपूर और क्यों भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं? यदि इस पर चर्चा करें तो आपको बता दें कि नई दिल्ली में जन्मे पॉल कपूर भारतीय पिता और अमेरिकी माता के पुत्र हैं। उन्होंने शिकागो विश्वविद्यालय से पीएचडी की है और लंबे समय से अमेरिकी नौसेना के पोस्टग्रेजुएट स्कूल तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन से जुड़े हुए हैं। वह उन कुछ विद्वानों में से हैं जिन्होंने दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर गहरी अकादमिक और व्यावहारिक समझ बनाई है। । यह दृष्टिकोण अमेरिका के भीतर पाकिस्तान के प्रति एक कठोर रुख की वकालत करता है। कपूर का यह विश्लेषण भारत के लिए राहतकारी है, क्योंकि अब दक्षिण एशिया मामलों में निर्णय-प्रक्रिया ऐसे व्यक्ति के हाथों में है जो पाकिस्तान की दोहरी नीति को अच्छी तरह समझते हैं। इससे पहले कपूर ट्रम्प प्रशासन के नीति नियोजन विभाग में काम कर चुके हैं, जहाँ उन्होंने इंडो-पैसिफिक रणनीति के निर्माण में भूमिका निभाई थी। यानी वह न केवल एक अकादमिक हैं, बल्कि नीति-निर्माण की मशीनरी से भी भली-भाँति परिचित हैं। उनकी नियुक्ति से यह स्पष्ट संकेत जाता है कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया को केवल पाकिस्तान या अफगानिस्तान के संदर्भ में नहीं, बल्कि भारत-केंद्रित दृष्टि से देखना चाहता है। कपूर की नियुक्ति भारत के लिए राहत क्यों है? यदि इस पर चर्चा करें तो हमें यह देखना होगा कि पॉल कपूर का विचार है कि पाकिस्तान का आतंकवादी ढाँचा कोई आकस्मिक तत्व नहीं, बल्कि उसकी राष्ट्रीय रणनीति का अभिन्न हिस्सा है। इसका सीधा अर्थ है कि वे अमेरिका के भीतर पाकिस्तान के प्रति किसी नरमी के पक्षधर नहीं हैं। उनकी सोच के अनुसार, जब तक इस्लामाबाद आतंकवाद को नीतिगत औजार के रूप में इस्तेमाल करता रहेगा, तब तक दक्षिण एशिया में स्थायी शांति असंभव है। भारत के दृष्टिकोण से यह अत्यंत अनुकूल है, क्योंकि बीते वर्षों में अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में कई बार ऐसे संकेत मिले थे कि वॉशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से रणनीतिक महत्व देने लगा है–खासकर अफगान मोर्चे पर। कपूर की उपस्थिति इस संतुलन को भारत की ओर झुका सकती है। दूसरी ओर, 21 अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रम्प को पत्र लिखकर भारत के साथ संबंध सुधारने की खुली वकालत की है। यह पत्र ऐसे समय आया है जब अमेरिकी व्यापार नीतियों से दोनों देशों के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। इन सांसदों में भारतीय मूल के रो खन्ना, प्रमिला जयपाल, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार और सुहास सुब्रमण्यम जैसे नेता शामिल हैं, जो अमेरिकी राजनीति में सामोसा कॉकस के रूप में जाने जाते हैं। इन सांसदों ने पत्र में चेतावनी दी है कि भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाने की नीति न केवल दोनों देशों के उद्योगों को नुकसान पहुँचा रही है, बल्कि इससे भारत को चीन और रूस जैसे अमेरिका-विरोधी देशों के करीब धकेला जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत क्वाड समूह (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत) का अहम स्तंभ है और इंडो-पैसिफिक में चीन के बढ़ते प्रभाव का सबसे मजबूत संतुलन है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत-अमेरिका का व्यापार दोनों देशों में लाखों नौकरियों को सहारा देता है और कई अमेरिकी कंपनियाँ भारत पर निर्भर हैं– चाहे वह सेमीकंडक्टर उत्पादन हो, स्वास्थ्य सेवा हो या ऊर्जा क्षेत्र। सांसदों का कहना है कि यह टैरिफ नीति अमेरिका के अपने उपभोक्ताओं के लिए भी महँगी साबित हो रही है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अमेरिकी उद्योग को कमजोर कर रही है। देखा जाये तो कपूर की नियुक्ति और अमेरिकी सांसदों की चिट्ठी, दोनों घटनाएँ एक साथ यह संकेत देती हैं कि अमेरिकी प्रतिष्ठान के भीतर भारत को लेकर सहमति बन रही है कि नई दिल्ली अब केवल सहयोगी नहीं, बल्कि रणनीतिक अनिवार्यता बन चुकी है। ट्रम्प प्रशासन की अब तक की नीति, जो कभी चीन पर कठोर और भारत पर अनिश्चित रही, शायद कपूर जैसे विशेषज्ञ के आने से अधिक संतुलित और भारत-पक्षीय हो सकती है। वहीं 21 सांसदों की पहल यह दशार्ती है कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय अब अमेरिकी नीति-निर्माण पर प्रभाव डालने की स्थिति में आ चुका है। देखा जाये तो दक्षिण एशिया की जटिल राजनीति में पॉल कपूर का आगमन एक नया मोड़ है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो भारत की चिंताओं को न केवल समझते हैं, बल्कि उन्हें अमेरिकी रणनीति में केंद्रीय स्थान देने की क्षमता रखते हैं। साथ ही, अमेरिकी कांग्रेस में उठी भारत समर्थक आवाजें यह दशार्ती हैं कि वॉशिंगटन में भी अब यह समझ बन रही है कि भारत के बिना एशिया में स्थिरता की कल्पना असंभव है। बहरहाल, कपूर की नियुक्ति और सांसदों की पहल, दोनों मिलकर यह संकेत देती हैं कि भारत-अमेरिका संबंध शायद एक नए रणनीतिक पुनर्जागरण के मुहाने पर हैं। यदि इसे सही दिशा में ले जाया गया, तो यह साझेदारी न केवल एशिया, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन को भी परिभाषित करेगी।

अंधविश्वास की बेड़ियाँ: अशिक्षा जनित सामाजिक जड़ता और विकास मे बाधा

संजीव ठाकुर

आश्चर्य की बात है कि आज के इस वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय और डिजिटल युग में भी शिक्षित जनमानस अंधविश्वास और रूढ़िवादिता की जंजीरों से मुक्त नहीं हो पाया है। विज्ञान की ऊँचाइयों को छूने वाला मनुष्य जब वास्तु-दोष, ग्रह-शांति, राहु-केतु और कालसर्प योग जैसी अवधारणाओं के मोहपाश में जकड़ा दिखाई देता है, तो यह न केवल समाज की मानसिक परतों का दर्पण बन जाता है, बल्कि शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा कर देता है। आज मकानों में तथाकथित वास्तु-दोष को दूर करने के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, जबकि यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से निरर्थक है। यह उस अंधविश्वास का जीवंत उदाहरण है जो हमारी तार्किक चेतना पर हावी हो चुका है। आँकड़े बताते हैं कि ऐसे मिथ्या विश्वासों के जाल में फँसे लगभग 90ः शिक्षित युवा वर्ग अपनी विवेकशक्ति को पीछे छोड़ चुका है। अशिक्षा और अज्ञानता ने न केवल अंधविश्वास को जन्म दिया है, बल्कि धार्मिक कट्टरता और सामाजिक संकीर्णता को भी गहराई तक फैला दिया है। जब अत्यंत शिक्षित लोग भी तर्क से अधिक परंपराओं और भ्रमों को महत्व देने लगते हैं, तो यह समाज और राष्ट्र दोनों के लिए अत्यंत चिंताजनक संकेत है। वास्तव में, शिक्षा वह दीप है जो अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर विवेक की ज्योति प्रज्वलित करता है। यही शिक्षा मनुष्य को वैज्ञानिक आधार पर सोचने, प्रमाणों के सहारे सत्य को स्वीकार करने की शक्ति देती है। कभी मानव जाति यह मानती थी कि पृथ्वी चपटी है, किंतु विज्ञान ने अपने प्रयोगों से यह सिद्ध कर दिया कि पृथ्वी गोलाकार है कृ और मानव ने इसे तर्क और प्रमाण के बल पर स्वीकार भी किया। यही शिक्षा का प्रभाव है। शहीद भगत सिंह ने जब नौजवान भारत सभा की स्थापना की थी, तब अपने घोषणा पत्र में स्पष्ट लिखा था कृ धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के सबसे बड़े शत्रु हैंय उनसे मुक्त हुए बिना हम स्वतंत्र और आधुनिक नहीं बन सकते। यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है। देश की युवा शक्ति यदि अपनी ऊर्जा अंधविश्वास के उन्मूलन में लगाए, तो सामाजिक क्रांति का नया अध्याय लिखा जा सकता है। शिक्षा और विज्ञान ही वे दो पंख हैं जिनसे मानव सभ्यता ने चाँद तक की उड़ान भरी और पूरी दुनिया को सूचना-प्रौद्योगिकी के माध्यम से एक परिवार की तरह जोड़ दिया। ऐसे में बिल्ली रास्ता काट जाए तो काम रुक जाता है, छींकना अपशकुन है, या कौवा बोले तो मेहमान आएंगे कृ जैसी मान्यताएँ हमारे सामाजिक विवेक का उपहास मात्र हैं। अंधविश्वास के सबसे घिनौने रूपों में से एक है तंत्र-मंत्र के नाम पर पशु या बाल-बलि देना। यह कृत्य न केवल अमानवीय है, बल्कि समाज में भय और अज्ञान को स्थायी रूप से स्थापित करता है। दुर्भाग्य यह है कि ऐसे धोखेबाज तांत्रिक इन भयभीत और अंधविश्वासी लोगों को भूत-प्रेत, ग्रहदोष या कालसर्प के नाम पर ठगते हैं कृ और यह व्यवसाय अब गाँवों से निकलकर शहरों के बड़े मीडिया मंचों तक पहुँच गया है। यह विडंबना है कि टीवी चौनलों और अखबारों में ऐसे अंधविश्वासी विज्ञापन खुलेआम प्रकाशित होते हैं, जो तर्कशीलता के बजाय अंधश्रद्धा को बढ़ावा देते हैं। सच तो यह है कि अंधविश्वास किसी विशेष वर्ग या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहाय यह विकसित देशों तक भी किसी न किसी रूप में विद्यमान है, परंतु भारत में इसकी जड़ें अशिक्षा के कारण अधिक गहरी हैं। इसलिए, हमें प्राथमिक स्तर से ही ऐसी शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना होगा जो बच्चों में तर्कसंगतता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रश्न करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करे। मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से भी अंधविश्वास-विरोधी जनचेतना अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। केवल वही राष्ट्र सशक्त और प्रगतिशील बन सकता है, जहाँ विज्ञान, तर्क और शिक्षा को अंधश्रद्धा पर वरीयता दी जाती है। हमें यह निश्चय करना होगा कि हमारे समाज में अंधविश्वास, कट्टरता और मिथ्या आडंबरों के लिए कोई स्थान न रहे कृ तभी हम एक विज्ञान-समर्थ, विवेकशील और आधुनिक भारत की कल्पना को साकार कर पाएँगे।

परीक्षा में ऊंच-नीच पर न्याय का अधिकार

भारत में छात्र और किसी परीक्षा को देने वाले परीक्षार्थी अपनी पढ़ाई और परीक्षा के संबंध में कई तरह के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों के मालिक होते हैं। लेकिन ज्यादातर को इस सबके बारे में पता नहीं होता। तो जानना उपयोगी है कि छात्रों और प्रतियोगी परीक्षार्थियों के विधिक और संवैधानिक अधिकार क्या-क्या होते हैं और उन्हें कैसे नीतिगत सुरक्षा में बांटा जा सकता है। परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी लगे तो पहले ये कदम उठाएं। अगर छात्रों या विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं देने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रक्रिया में किसी गड़बड़ी का अहसास हो। जैसे उन्हें लगे कि पेपर लीक हो गया है या जो परिणाम आया है, वो गलत है या किसी भी तरह की परीक्षा में पारदर्शिता की कमी है, तो वे शिकायत करने और अपनी शिकायत के संबंध में न्याय पाने के लिए ये कदम उठा सकते हैं। सबसे पहले वे परीक्षा की आयोजक संस्था, चाहे वह यूपीएससी हो, एसएससी हो, एनटीए हो या पीएससी हो, आधिकारिक शिकायत प्रणाली यानी पोर्टल आदि पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं। अगर उन्हें इसका पता नहीं है तो परीक्षा भवन में स्थित प्रबंधक के कार्यालय से इसकी जानकारी हासिल कर सकते हैं। परीक्षा में गड़बड़ी लगे तो दूसरे कदम के रूप में परीक्षार्थी अपने ओएमआरसी या आंसर शीट अथवा मार्किंग विवरण मांगने के लिए आरटीआई आवेदन कर सकते हैं। जबकि तीसरे चरण के रूप में ये छात्र अगर इन्हें लगता है कि पहले दो कदमों से उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो वे हाईकोर्ट में पिटीशन अनुच्छेद 226 के तहत या सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में केस दायर कर सकते हैं, इसका उन्हें कानूनी हक है और चौथे व अंतिम कदम के रूप में पेपर लीक आदि के लिए सीबीआई,ईडी जांच की मांग की जा सकती है। ऐसी स्थिति में पहले कदम के रूप में उस संस्थान की जहां से आपका संबंध हो, ग्रीवांस रिड्रेसल सेल्फ,यूजीसी कम्पलेंट पोर्टल पर शिकायत करें। दूसरे कदम के रूप में राज्य शिक्षा विभाग या विश्वविद्यालय में इसकी लिखित शिकायत करें। तीसरे कदम के रूप में अगर छात्र पर मानसिक उत्पीड़नध्हिंसाध्भेदभाव हुआ है तो आईपीसी और एससीध्एसटी एट्रोसीटीज एक्ट जैसे कानूनों के तहत एफआईआर दर्ज करायी जा सकती है। चौथे कदम के रूप में फीस और सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के लिए कंज्यूमर कोर्ट में दस्तक दी जा सकती है। अगर दिव्यांग छात्रों को जरूरी सहूलियत न मिलें इसके लिए पहले कदम के रूप में परीक्षा प्राधिकरणध्संस्थान से लिखित शिकायत करें कि आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 का पालन नहीं हो रहा। दूसरे कदम के रूप में जिला स्तर पर चीफ कमिशनर फॉर पर्सस विद डिसएबिलिटी को शिकायत भेजें और तीसरे कदम के रूप में जरूरत पड़ने पर हाईकोर्ट में रिट डालकर अतिरिक्त समय स्क्राइब या अन्य सहूलियत की मांग करें। ऐसी स्थिति में पहले कदम के रूप में छात्र या उसके परिजन मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन पर संपर्क करें, जो कि 1800-599-7019- किरण हेल्पलाइन है। दूसरे कदम के रूप में मेंटल हेल्थ केयर अधिनियम 2017 के तहत हर छात्र को मुफ्त काउंसलिंग और इलाज का अधिकार है। अगर संस्थान दबाव बना रहा हो, जैसे असंभव टारगेट, भेदभाव, तो पुलिस या शिक्षा विभाग में शिकायत दर्ज कराएं। ऐसे में पहले कदम के रूप में आधिकारिक उत्तर कुंजी और कटऑफ की कॉपी आरटीआई के जरिये प्राप्त करें। दूसरे कदम के रूप में आवश्यक आंसर शीट का रिवैल्यूएशन मांगें और तीसरे कदम के रूप में स्टे ऑर्डर या रि-एंग्जाम की मांग की जा सकती है। विशेषकर प्रतियोगी परीक्षा भर्ती विवादों के लिए आरटीआई पोर्टलरू तजपवदसप दम.हवअ.पद, यूजीसी ग्रीवांसरू नहब.ंब. पदध्हतप्‍ मअंदबमध सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में शिकायत कर सकते हैं। भेदभाव या उत्पीड़न के मामले में नेशनल कमीशन फॉर शिड्यूल कास्टध्ट्राइबध्माइनरटीजध्वुमन्स, भारत में हर छात्र को समान अवसर देना संस्थान की जिम्मेदारी है। चौदह साल तक की उम्र के हर व्यक्ति को मुफ्त शिक्षा का अधिकार है। परीक्षा भर्ती और कॉलेज प्रशासन आदि से जुड़ी सूचनाएं पाने का सबको अधिकार है। भारत में हर छात्र और प्रतियोगी परीक्षार्थी को निष्पक्ष परीक्षा का अधिकार है, उसे समान अवसर व आरक्षण के लाभ का अधिकार है। बता दें कि इस जानकारी को कानूनी मदद, स्रोत के तौरपर नहीं इस्तेमाल किया जा सकता। सिर्फ पाठकों में अपने अधिकारों के प्रति सजगता बढ़ाने के लिए इसका उपयोग संभव है।

हादसों की सड़क

यह शर्मनाक ही है कि भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटनाओं में अन्य कारणों के अलावा सबसे अधिक भूमिका तकनीकी व गुणवत्ता की खामियों वाली सड़कों की होती है। यह भयावह है कि वर्ष 2023 में देश में हुई पांच लाख दुर्घटनाओं में करीब पौने दो लाख लोगों की मौत हुई। उस पर सबसे दुखद यह है कि मरने वालों में एक लाख चौदह हजार लोग अट्ठारह से 45 वर्ष के बीच के युवा थे। जो परिवार के कमाने वाले व नई उम्मीद थे। इन हालात को देखते हुए ही केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक इन सड़क दुर्घटनाओं को आधा करने का लक्ष्य रखा है। यह विडंबना ही है कि दुर्घटनाएं रोकने के लिये सख्त कानून बनाने एवं तकनीक के जरिये चालकों की लापरवाही पर नजर रखने जैसे उपायों के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के बेबाक सुझाव से सहमत हुआ जा सकता है कि खराब सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। इसके लिये ठेकेदार और इंजीनियर की जवाबदेही तय होनी चाहिए। हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ के एक कार्यक्रम में उन्होंने दुरूख जताया कि विदेशों में होने वाले कार्यक्रमों में जब भारत में विश्व की सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले देश के रूप में चर्चा होती है, तो उन्हें शर्म महसूस होती है। आखिर तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसे क्यों नहीं थम रहे हैं। यह बात तय है कि अगले पांच सालों में सड़क दुर्घटनाओं को यदि आधा करना है, तो युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन कारणों को तलाशना होगा, जिनकी वजह से हर साल सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है। आखिर क्या वजह है कि राजमार्गों के विस्तार और तेज गति के अनुकूल सड़कें बनने के बावजूद हादसे बढ़े हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि राजमार्गों व विभिन्न तीव्र गति वाली सड़कों में साम्य का अभाव है, वहीं मोड़ों को दुर्घटना मुक्त बनाने हेतु तकनीक में बदलाव की जरूरत है। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को उन कारणों की पड़ताल करनी होगी, जो पर्याप्त धन आवंटन के बावजूद सड़कों को दुर्घटनामुक्त बनाने में बाधक हैं। ऐसे में जरूरी है कि सड़कों की निर्माण सामग्री और डिजाइनों की निगरानी के लिये स्वतंत्र व सशक्त तंत्र बनाया जाए, जो बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के काम कर सके। साथ ही मंत्रालय का दायित्व बनता है कि इस बाबत स्पष्ट नीति को सख्ती से लागू किया जाए। यह जानते हुए कि सड़कों के ठेके में मोटे मुनाफे के लिए एक समांतर भ्रष्ट तंत्र देश में विकसित हुआ है, जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता करने से परहेज नहीं करता। जिसके खिलाफ उठने वाली ईमानदार आवाजें दबा दी जाती हैं। निस्संदेह, गुणवत्ता का मूल्यांकन करने वाली व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। तब हमें यह सुनने को नहीं मिलेगा कि उद्घाटन के कुछ ही बाद ही सड़क उखड़ गई या बारिश में घुल गई।

टाटा समूह में विवाद पर नियामक से लेकर निवेशकों की तक की नजर; 10 सितंबर को होगी बोर्ड की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई दशक पुराने टाटा समूह में उपजे विवाद पर अब नियामकों और निवेशकों की नजर टिकी हुई है। विवाद को सुलझाने के लिए 10 सितंबर को बोर्ड की बैठक है। इससे पहले मंगलवार को ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा और टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन गृहमंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी। सूत्रों के मुताबिक, टाटा ट्रस्ट्स के भीतर गवर्नेंस, पारदर्शिता और टाटा संस की बाजार में लिस्टिंग को लेकर मतभेद सामने आए हैं। आरबीआई के नियमों के अनुसार, टाटा संस को सितंबर तक बाजार में लिस्ट होना था। पर अभी तक लिस्टिंग की कोई तैयारी नहीं है। माना जा रहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस को लिस्ट से छूट दे दी है। 180 अरब डॉलर का है कारोबार टाटा ग्रुप का नियंत्रण टाटा ट्रस्ट्स के पास है, जिसकी संस में बहुमत की हिस्सेदारी है।

अनीत पड्डा से कावेरी कपूर तक

बॉलीवुड की नई पीढ़ी के सितारे जो इंडस्ट्री का चेहरा बदलने को हैं तैयार

बॉलीवुड में एक नई लहर चल रही है और यह अपने साथ कई नई प्रतिभाओं को लेकर आ रही है, ऐसे युवा चेहरे जो बड़े पर्दे पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। चाहे ये स्टार किड्स हों या खुद के दम पर आगे बढ़ने वाले नए चेहरे, इन उभरते सितारों में है अलग पहचान, स्टाइल और शानदार प्रतिभा। कुछ पहले से सुर्खियों में हैं, तो कुछ अपने ग्रैंड डेब्यू की तैयारी कर रहे हैं। आइए, नजर डालते हैं बॉलीवुड की अगली पीढ़ी के उन चेहरों पर, जो आने वाले वर्षों में इंडस्ट्री की दिशा तय कर सकते हैं। अपनी शानदार स्क्रीन उपस्थिति और दिलकश व्यक्तित्व के साथ, अनीत पड्डा ने सैय्यारा से हर घर में पहचान बनाई। अपनी मनमोहक परफॉर्मेंस से सबका दिल जीतने के बाद अब उन्हें बॉलीवुड की सबसे रोमांचक नई अभिनेत्रियों में गिना जा रहा है। प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता शेखर कपूर और गायिका सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी, कावेरी कपूर सिर्फ एक स्टार किड नहीं हैं-वह एक बहुमुखी कलाकार हैं। एक गायिका, गीतकार और अब अभिनेत्री के रूप में, कावेरी ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से शानदार डेब्यू किया। उनकी उपस्थिति पर्दे पर एक ताजगी और कलात्मक गहराई लाती है। उनके पास कई प्रोजेक्ट भी हैं, जिनमें मासूम 2 और एक सिंगल शामिल है जो जल्द ही रिलीज के लिए तैयार है। रवीना टंडन की बेटी राशा अपनी खूबसूरत पर्सनालिटी और आकर्षक लुक्स के लिए सुर्खियाँ बटोर रही हैं। अपने डेब्यू के साथ, वह सिनेमा में अपनी राह खुद बनाने की तैयारी में हैं और प्रशंसकों व फिल्म निमार्ताओं दोनों की उन पर कड़ी नजर है। तड़प से धमाकेदार शुरूआत के बाद, सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने साबित कर दिया कि उनमें अपनी जगह बनाने का हुनर घ्है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और शारीरिक बनावट के साथ, उन्हें एक्शन-रोमांस के क्षेत्र में एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। शनाया पहले से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं और उन्होंने आँखों की गुस्ताखियाँ से पावरहाउस विक्रांत मैसी के साथ धमाकेदार शुरूआत की है। अपने अभिनय के लिए शानदार समीक्षाएं मिलने के बाद, वह अब आनंद एल राय की सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म तू या मैं में नजर आएंगी।अनन्या पांडे के कजिन अहान पांडे ने सैय्यारा में कृष कपूर के किरदार से दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी परफॉर्मेंस ने उन्हें बॉलीवुड के सबसे आशाजनक नए अभिनेताओं की सूची में शामिल कर दिया है। वीर पहाड़िया ने अपनी पारिवारिक राजनीतिक बैकग्राउंड से हटकर एक अलग रास्ता अपनाया और स्काई फोर्स के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरूआत की। एक रहस्यमयी आभा और कहानी कहने में गहरी रुचि के साथ, वह देखने लायक सबसे दिलचस्प नामों में से एक हैं। स्टार परिवारों से लेकर अपने दम पर पहचान बनाने वाले कलाकारों तक कृ ये सभी युवा अभिनेता बॉलीवुड के बदलते चेहरे का प्रतीक हैं। साहसी, विविधतापूर्ण और बेबाक महत्वाकांक्षी, ये नई पीढ़ी के अभिनेता अपने साथ प्रतिभा, प्रयोग और वैश्विक अपील का एक ताजा मिश्रण लेकर आ रहे हैं। जैसे-जैसे इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है, एक बात तय है कृ बॉलीवुड का भविष्य बेहद उज्ज्वल है, और ये नाम उसकी राह रोशन कर रहे हैं।

राम चरण स्टारर पेड्डी के ब्लॉकबस्टर सॉन्ग की आज पुणे में होगी शूटिंग

ग्लोबल सुपरस्टार राम चरण, जिन्होंने अपने पिछली फिल्मों से तहलका मचा दिया था, अब अपनी बेहद इंतेजार की जाने वाली अगली फिल्म पेड्डी के साथ बड़े पर्दे पर लौटने वाले हैं। इसकी घोषणा से ही फिल्म ने फैंस और इंडस्ट्री में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दी है। फिल्म में राम चरण को एक्शन से भरपूर अवतार में

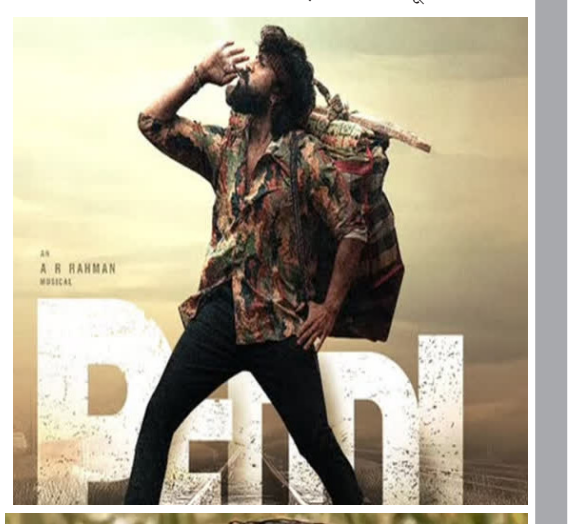

देखा जाएगा, जो एक नई और दमदार बदलती छवि का वादा करता है और जो पहले ही हर तरफ चर्चा का विषय भी बन गया है। जैसे-जैसे फिल्म पूरी होने के करीब आ रही है, मेकर्स की हर नई अपडेट से एक्साइटमेंट और बढ़ रही है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेड्डी का अगला शूटिंग शेड्यूल आज पुणे में शुरू होने वाला है, जहां टीम एक ग्रैंड सॉन्ग सीक्वेंस शूट करेगी। यह गाना, जिसे मास ब्लॉकबस्टर बताया जा रहा है, किसी और ने नहीं बल्कि फेमस कोरियोग्राफर जानी मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है, जो इंडियन सिनेमा के सबसे चर्चित डांस नंबर देने के लिए जाने जाते हैं। अब तक फिल्म की लगभग 60: शूटिंग पूरी हो चुकी है, और मेकर्स ने हाल ही में फिल्म के पहले हिस्से का एडिट भी फाइनल कर लिया है। टैलेंटेड डायरेक्टर बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित, पेड्डी राम चरण को एक ऐसे अवतार में दिखाने का वादा करती है, जो पहले कभी नहीं देखा गया, जिसमें जबरदस्त एक्शन, रोमांचक कहानी और हाई-वोल्टेज एंटरटेनमेंट का मेल होगा। बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित, पेड्डी में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही शिवराजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी हैं। इसे वेंकटा सतीश किलारु ने प्रोड्यूस किया है, और फिल्म 27 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है।

'हर कोई जवान दिखने की कोशिश कर रहा है, आपको भी करनी चाहिए'; उम्र के गैप पर चित्रांगदा सिंह ने रखी राय

बॉलीवुड में अभिनेताओं की बढ़ती उम्र हमेशा से बहस का विषय रही है। पुरुष अभिनेता फिल्मों में अपने से काफी छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते रहते हैं। ऐसे में क्या महिला अभिनेत्रियों को अपनी उम्र बढ़ने से रोकने का दबाव महसूस होता है? इस पर चित्रांगदा सिंह ने अपनी बात रखी है। किरदार निभाना आना चाहिए क्या महिला कलाकारों से वाकई जवान दिखने की उम्मीद की जाती है, इस बारे में एचटी से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा 'यह सबके लिए है। अगर आप 70 साल की महिला का किरदार निभा रही हैं, तो आपको वैसा ही दिखना चाहिए। अगर आप 30 साल की उम्र की भूमिका निभाना चाहती हैं, तो आपको उसे निभाना आना चाहिए।' अक्षय कुमार फिटनेस पर ध्यान देते हैं चित्रांगदा सिंह का कहना है कि 'निमार्ताओं का ऐसा सोचना जायज है। पुरुष अभिनेताओं के लिए भी यही बात लागू होती है। अक्की (अक्षय कुमार) अपनी फिटनेस पर ध्यान देते हैं, अपने खान-पान पर ध्यान देते हैं। बेशक, जब किसी पुरुष अभिनेता का किरदार लिखा जाता है, तो महिला किरदार के बजाय ज्यादा लचीलापन होता है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई पक्षपात है। वे फिल्म को आगे बढ़ाते हैं।' चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा 'समय बहुत बदल गया है। करीना कपूर कमाल का काम कर रही हैं। विद्या (बालन) बहुत काम कर रही हैं। ये सभी कलाकार अभी भी स्क्रीन पर अपनी अच्छी उपस्थिति बनाए हुए हैं।

बॉयफ्रेंड संग इटली वेकेशन मना मुंबई लौटीं तारा सुतारिया

एयरपोर्ट पर दिखी कपल की जबरदस्त केमिस्ट्री

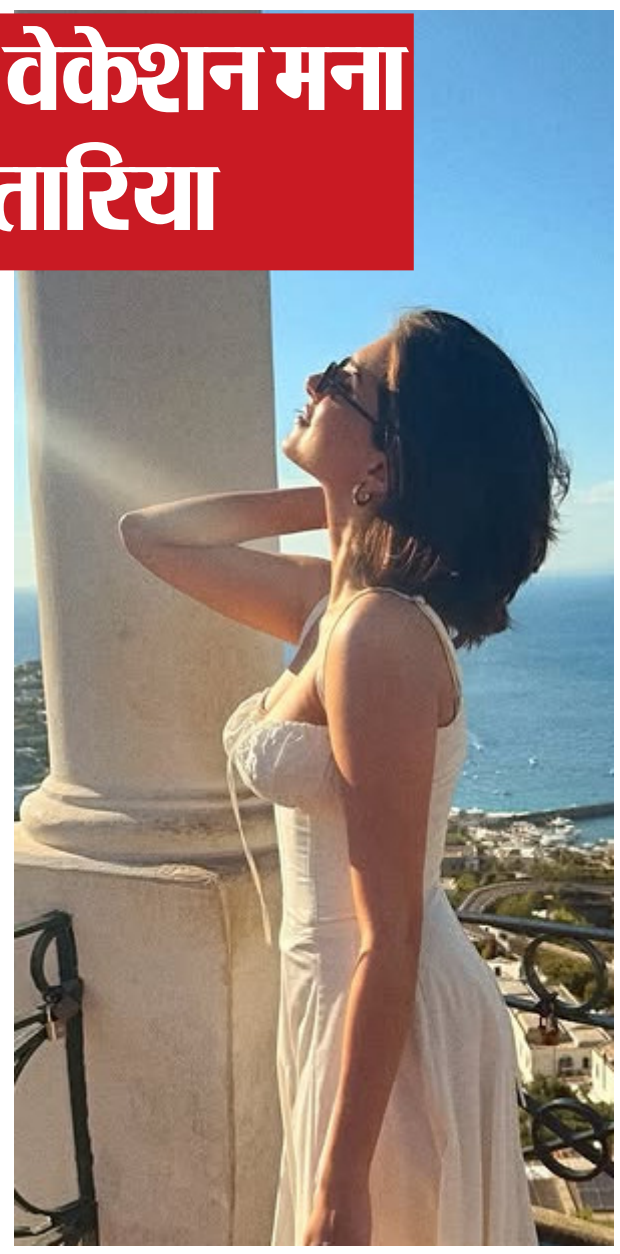

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा तारा सुतारिया हाल ही में बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया के साथ इटली में छुट्टियां मनाकर मुंबई लौटी हैं। 9 अक्टूबर, गुरुवार की सुबह दोनों को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में तारा और वीर मुंबई एयरपोर्ट पर एक साथ नजर आ रहे हैं। दोनों के चेहरे पर मुस्कान थी और कैमरे के सामने भी दोनों काफी सहज दिखे। जैसे ही कार एयरपोर्ट पर रुकी, वीर पहाड़िया ने बड़ी विनम्रता से तारा के लिए कार का दरवाजा खोला। तारा मुस्कुराते हुए बाहर निकलीं, जबकि वीर उनके बिल्कुल पास ही रहे। फोटोग्राफर्स और फैंस की भीड़ के बीच वीर पहाड़िया तारा को प्रोटेक्ट करते नजर आए। उन्होंने तारा की पीठ पर हल्के से हाथ रखा और उन्हें भीड़ के बीच सुरक्षित एयरपोर्ट एंट्रेंस तक पहुंचाया। इस दौरान तारा सुतारिया ने मीडिया को मुस्कुराते हुए हाथ हिलाकर बाय कहा। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तारा और वीर की जोड़ी चर्चा में है। फैंस कमेंट सेक्शन में वीर की तारीफ करते नहीं थक रहे। किसी ने लिखा, वीर बहुत जेंटलमैन हैं, तो किसी ने कहा, ाारा के लिए इतना केयरिंग देखकर दिल खुश हो गया। कई यूजर्स ने दोनों को पिक्चर परफेक्ट कपल बताया।

एल्विश यादव की संत प्रेमानंद जी से मुलाकात बनी यादगार, अब हर दिन करूंगा राधा नाम का जाप

बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव ने हाल ही में वृंदावन में आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद जी महाराज से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एल्विश यादव गुरुजी से उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बातचीत करते नजर आ रहे हैं। प्रेमानंद जी ने स्वास्थ्य के बारे में अपडेट देते हुए कहा कि उनकी दोनों किडनियां खराब हो चुकी हैं, लेकिन भगवान की कृपा से वे भक्तों से मिलकर उनसे बात कर पा रहे हैं। प्रेमानंद जी ने कहा, अब कुछ भी ठीक करने

की जरूरत नहीं है, आज हो या कल, हम सभी को जाना है। उनके इस बयान से जहां भक्त भावुक हुए, वहीं उनकी सादगी और आध्यात्मिक ज्ञान ने लोगों को जीवन के गहरे सच से अवगत कराया। स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों के चलते उन्होंने अपनी पद यात्रा भी स्थगित कर दी थी, जिससे उनके भक्त चिंता में थे। लेकिन उनकी हिम्मत और विश्वास ने सभी का दिल जीता है। मुलाकात के दौरान प्रेमानंद जी ने एल्विश यादव से पूछा कि क्या वे भगवान का नाम जप करते हैं। जब एल्विश ने बताया कि वे यह करते नहीं हैं, तो गुरुजी ने उन्हें बड़े प्यार से प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि नाम जपने से नुकसान नहीं होगा बल्कि जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। प्रेमानंद जी ने सुझाव दिया कि वे रोजाना 10,000 बार राधा नाम का जप करें। इस पर एल्विश ने पूरी विनम्रता से सहमति जताई और यह संकल्प लिया। प्रेमानंद जी ने आगे समझाया कि अगर वे हाथ में शराब लेकर दिखाएंगे तो लोग उनसे वही सीखेंगे, लेकिन अगर वे राधा का नाम जपेंगे तो उनके अनुयायी भी उसी रास्ते पर चलेंगे। इस बात ने एल्विश यादव के फैंस को उनके आध्यात्मिक बदलाव और जीवन में सकारात्मक कदम उठाने की प्रेरणा दी। सोशल मीडिया पर लोग उनकी भक्ति और संत के मार्गदर्शन का पालन करने की इच्छा की खूब तारीफ कर रहे हैं। एल्विश यादव और प्रेमानंद जी के बीच यह बातचीत दर्शकों को आध्यात्मिकता, जीवन की सच्चाइयों और सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित कर रही है। वीडियो में दोनों के बीच की यह आत्मीयता और गहरी बातें लोगों के दिलों को छू रही हैं।

शादी से पहले ही सोनाक्षी-जहीर ने खरीद लिया था सपनों का आशियाना

9 महीने में पूरा हुआ काम, अब जल्द ही नए घर में होंगे शिफ्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल इन दिनों अपनी शादीशुदा जिंदगी को खुलकर एंजॉय कर रहे हैं। शादी के बाद से यह कपल अक्सर ट्रैवलिंग और वेकेशन फोटोज को लेकर सुर्खियों में बना रहता है। अब एक्ट्रेस ने अपने यूट्यूब चौनल पर एक नया मेकअप ट्यूटोरियल व्लॉग शेयर किया है, जिसमें उन्होंने फैंस को नए घर के बारे में बताया। वीडियो में सोनाक्षी ने खुलासा किया कि वह और जहीर जल्द ही अपने नए घर में रहने जाने वाले हैं। उन्होंने बताया कि घर का रेनोवेशन वर्क लगभग पूरा हो चुका है और बस कुछ फाइनल टच बाकी हैं। एक्ट्रेस ने कहा, हमारा घर पिछले नौ महीनों से रेनोवेट हो रहा है और अब वह लगभग तैयार है। जल्द ही हम यहां शिफ्ट हो जाएंगे। सोनाक्षी ने खुलासा किया कि उन्होंने और जहीर ने यह घर शादी से पहले ही खरीद लिया था। उनके मुताबिक, हम दोनों ने काफी पहले यह प्रॉपर्टी ली थी लेकिन शादी के बाद इसे अपना सपनों का घर बनाने की प्लानिंग शुरू की।वहीं जहीर ने बताया,हमने शादी से काफी पहले ही प्रॉपर्टी खरीदी थी और फिर कहा था कि शादी के बाद ही इसमें काम शुरू करेंगे। अब आखिरकार वो वक्त आ गया है।व्लॉग में सोनाक्षी ने बताया कि पिछले नौ महीनों से इंटीरियर डिजाइनर्स और कॉन्ट्रैक्टर्स इस घर को सजाने में लगे हुए हैं। कपल ने वीडियो में अपने किचन, लिविंग रूम और शीशों वाले एरिया की झलकियां भी दिखाईं। उन्होंने कहा, ह्महमें इस प्रोजेक्ट में बहुत समय और मेहनत लगी, लेकिन अब नतीजा देखकर दिल खुश है। जहीर ने बताया कि शादी के लगभग 10 दिन पहले उन्होंने घर की पूजा करवाई थी। पूजा के बाद उन्हें पायल नाम की इंटीरियर डिजाइनर मिलीं, जिन्होंने इसी बिल्डिंग में छह और फ्लैट्स को रेनोवेट किया था। इसके बाद उन्हें एक बेहतरीन कॉन्ट्रैक्टर मिला जिसने नौ महीने में फ्लैट का काम पूरा किया। जहीर ने मुस्कुराते हुए बताया कि उनका ड्रीम हाउस कैसा होना चाहिए कृ मैं चाहता था कि हमारे घर का वॉशबेसिन ऐसा हो जिसमें पानी हमेशा बीच में गिरे और उसे बंद करने के लिए बार-बार छूना न पड़े।

रणजी ट्रॉफी के लिए बंगाल की टीम में शामिल मोहम्मद शमी, अभिमन्यु ईश्वरन को फिर मिली कमान

कोलकाता (एजेंसी)। शमी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने अपनी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम घोषित करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि शमी ने भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के लिए भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी बंगाल रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए तैयार हैं। आधुनिक युग के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक शमी को इस घरेलू टूर्नामेंट के लिए बंगाल की 18 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है। शमी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने अपनी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम घोषित करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि शमी ने भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेला है। वहीं, बंगाल टीम की बात करें तो अभिमन्यु ईश्वरन को एक बार फिर टीम की कमान सौंपी गई है। अभिमन्यु भारत ए की प्रतिबद्धताओं के कारण बंगाल की टीम के लिए नियमित रूप से नहीं खेल पाए हैं।

ड्रग माफियाओं पर बेरोकटोक कार्रवाई करते रहेंगे ट्रंप

राष्ट्रपति की शक्तियों पर निगरानी का प्रस्ताव खारिज

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सीनेट में बुधवार को एक बड़ा राजनीतिक टकराव देखने को मिला। रिपब्लिकन सांसदों ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य शक्ति पर नियंत्रण लगाने के लिए लाया गया था। यह प्रस्ताव ट्रंप को मादक पदार्थों के कार्टेल पर आगे की सैन्य कार्रवाई से पहले कांग्रेस से अनुमति लेने के लिए बाध्य करता। इस प्रस्ताव के पक्ष में 48 और विरोध में 51 वोट पड़े। वोटिंग में ज्यादातर रिपब्लिकन सांसदों ने विरोध किया। सिर्फ दो रिपब्लिकन ने समर्थन किया जबकि एक डेमोक्रेटिक सांसद ने विरोध में वोट डाला। ट्रंप की 'युद्ध अधिकार' की घोषणा ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में कैरिबियाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले जहाजों को निशाना बनाकर सैन्य हमले किए। व्हाइट हाउस का कहना है कि चार जहाज नष्ट किए गए, 21 लोगों की मौत हुई और अमेरिका में पहुंचने वाली बड़ी मात्रा में ड्रग्स को रोका गया। प्रशासन का दावा है कि ड्रग तस्कर 'सशस्त्र दुश्मन' हैं और उन पर युद्ध की तरह कार्रवाई की जा सकती है। लेकिन इस पर कांग्रेस में असहमति गहराती जा रही है। वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन ऑफ 1973, एक ऐतिहासिक कानून है, जो वियतनाम युद्ध के बाद बनाया गया था। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति को बिना कांग्रेस की

अनुमति के युद्ध शुरू करने से रोकना है। इस कानून के तहत राष्ट्रपति को किसी भी सैन्य अभियान के लिए कांग्रेस से स्पष्ट मंजूरी लेनी होती है। विपक्ष का तर्क- 'कांग्रेस की शक्ति छीनी जा रही है' डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि ट्रंप बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य हमले नहीं कर सकते। उनके अनुसार यह अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों का उल्लंघन है। टिम केन और एडम शिफ ने इस प्रस्ताव को पेश किया था। उन्होंने कहा कि इस वोटिंग ने भले ही कानून पास न कराया हो, लेकिन यह एक मजबूत राजनीतिक संदेश गया है कि 'हर कोई राष्ट्रपति की असीमित शक्ति से सहमत नहीं।' रैंड पॉल, जो रिपब्लिकन पार्टी से हैं लेकिन लंबे समय से युद्ध अधिकारों पर कांग्रेस की भूमिका को मजबूत करने के पक्षधर हैं, उन्होंने भी प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस को कार्यपालिका को जज, ज्यूरी और जल्लाद बनने की इजाजत नहीं देनी चाहिए।' रिपब्लिकन का रुख- 'देश की सुरक्षा पहले' दूसरी ओर, रिपब्लिकन नेताओं ने डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाया कि वे राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। जिम रिस्क, जो सीनेट फॉरेन रिलेशंस कमेटी के प्रमुख हैं, ने कहा कि ड्रग्स अमेरिकी नागरिकों को मारने का हथियार बन चुके हैं। उन्होंने कहा, 'जो जहाज नष्ट किए गए, उनमें जो जहरीला माल था वो अब समुद्र की गहराइयों में है।' मार्को रूबियो ने रिपब्लिकन सीनेटरों को समझाने के लिए लंच मीटिंग में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि कई कार्टेल अब कैरेबियाई देशों के बड़े हिस्सों पर कब्जा कर चुके हैं और वे 'सरकारों की तरह' काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'ये संगठन अमेरिकी सड़कों पर हिंसा और अपराध फैला रहे हैं। राष्ट्रपति का कर्तव्य है कि वह देश की रक्षा करे।'

'यूक्रेन के नए मिसाइल और ड्रोन हमलों से रूस में गैस की भारी कमी', राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा

कीव (एजेंसी)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के नए मिसाइल और ड्रोन हमलों से रूस में गैस की भारी कमी हो रही है। यूक्रेन की सेना ने डोनेत्सक क्षेत्र में रूस की कब्जे की योजना को भी नाकाम कर दिया है। रूस अब गैस का आयात बढ़ा रहा है, जो यूक्रेन के हमलों की कामयाबी का संकेत है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन नई लंबी दूरी के मिसाइल और ड्रोन हमलों से रूसी तेल सुविधाओं को निशाना बना रहा है, जिससे वहां गैस की भारी कमी हो गई है। वहीं, जंग के मैदान में यूक्रेन के हालिया जवाबी हमले ने रूस

की डोनेत्सक क्षेत्र के पूर्वी हिस्से को कब्जे में लेने की योजना को नाकाम कर दिया है। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की नई पल्यान्यत्स्या मिसाइल ने रूस के दर्जनों सैन्य डिपो (हथियारों के गोदाम) को निशाना बनाया है। इसके अलावा 'रूता' ड्रोन ने हाल ही में ढाई सौ किलोमीटर से भी अधिक दूरी पर स्थित एक रूसी समुद्री तेल सुविधा पर हमला कर चुका है। जेलेंस्की ने इस नए हथियार को बड़ी कामयाबी बताया है। उन्होंने कहा कि ल्यूटी और फायर प्वाइंट जैसे लंबी दूरी के ड्रोन ने रूसी उर्जा केंद्रों को निशाना बनाया है। अभियान में 300 ड्रोन एक साथ दागे गए। इसके अलावा, यूक्रेन की सेना ने हाल ही में रूस के खिलाफ नेपच्यून और फ्लेमिंगो नाम की मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया है। यूक्रेनी नेता ने आगे कहा कि रूस में गैस की कमी और आयात में बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि यूक्रेन के हमले प्रभावी साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, खास बात यह है कि रूस अब गैस का आयात कर रहा है। यह एक संकेत है।

भारत ने खोली पाकिस्तान की कलई, भाजपा सांसद जमकर बरसे

दुनिया को गिनाई देश की उपलब्धि

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के पहले प्रतिनिधिमंडल के नेता और भाजपा संसद पी.पी. चौधरी ने संयुक्त राष्ट्र की तीसरी समिति में आम बहस के दौरान भारत की उपलब्धियां गिनाईं। इसी के साथ कश्मीर का राग अलापने वाले पाकिस्तान को भी बेनकाब किया। भारतीय बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल इन दिनों न्यूयॉर्क में हैं, जहां उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा 80वें सत्र में भारत का पक्ष रखा। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के पहले प्रतिनिधिमंडल के नेता, भाजपा सांसद पी.पी. चौधरी ने बुधवार (8 अक्तूबर) को संयुक्त राष्ट्र की तीसरी समिति में आम बहस के दौरान भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया, जहां उन्होंने पाकिस्तान के उत्पीड़न और दुष्प्रचार के इतिहास

को तीखे शब्दों में उजागर किया। जम्मू और कश्मीर पर बोलने वाले पाकिस्तान को दो टूक जम्मू और कश्मीर पर पाकिस्तान की निराधार टिप्पणियों को खारिज करते हुए पीपी चौधरी ने दोहराया कि यह केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। उन्होंने चुनावों में धांधली, लोकप्रिय नेताओं को जेल में डालने, अपनी ही जनता पर बमबारी करने और जन विरोध प्रदर्शनों का क्रूरतापूर्वक दमन करने जैसे संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंचों का पाकिस्तान के आदतन दुरुपयोग की आलोचना की। सेना प्रमुख के बयान पर पाक को घेरा संयुक्त राष्ट्र महासभा में पी.पी. चौधरी ने वैश्विक समुदाय को याद दिलाया कि पाकिस्तान के अपने सेना प्रमुख ने भी देश को ₹डंप ट्रक₹ बताया है, जिससे उसकी शासन व्यवस्था की सड़न उजागर होती है। साथ ही चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा से प्रेरित भारत का संविधान एक अधिकार-आधारित ढांचा प्रदान करता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक नागरिक अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सके। चौधरी ने इस मौके पर बताया कि पिछले एक दशक में 25 करोड़ से ज्यादा लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं, जबकि लगभग 80 करोड़ लोग सार्वजनिक वितरण प्रणाली से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सामाजिक सुरक्षा अब 64.3 फीसदी आबादी को कवर करती है। इसी के साथ पीपी चौधरी ने बताया कि ₹नारी शक्ति₹ एक राष्ट्रीय मिशन बन गया है, जहां उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन दुनिया में सबसे ज्यादा है और 2024-25 तक कार्यबल में उनकी भागीदारी बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो जाएगी। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक, 2023 को भी महिलाओं के नेतृत्व वाले शासन में एक मील का पत्थर बताया। समावेशी विकास में भारत की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने

चीनी राष्ट्रपति के सियासी दल में शामिल महिला से हुआ अमेरिकी राजनयिक को प्रेम, ट्रंप प्रशासन ने छीनी नौकरी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका से चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां एक अमेरिकी राजनयिक को नौकरी से इसलिए निकाल दिया गया क्योंकि उसने एक चीनी महिला से प्रेम संबंध छुपाए थे। महिला के चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध थे। अमेरिका से एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। मामला

कुछ इस प्रकार से है कि अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने एक अमेरिकी राजनयिक को केवल इस वजह से नौकरी से निकाल दिया गया क्योंकि उसने एक चीनी महिला से प्रेम संबंध की बात छुपाई थी। बताया जा रहा है कि उस महिला के सीधे संबंध चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी से हैं। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राजनयिक को इस कारण से निकाला गया है। बता दें कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में एक नियम लागू किया था, जिसके तहत चीन में तैनात किसी भी अमेरिकी सरकारी कर्मचारी, उनके परिवार या सुरक्षा क्लियरेंस वाले कॉन्ट्रैक्टर्स को किसी भी चीनी नागरिक से प्रेम या यौन संबंध बनाने पर रोक लगा दी गई थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने क्या कहा? मामले में विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि राजनयिक को इसलिए निकाला गया क्योंकि उसने चीनी महिला से अपने रिश्ते को छिपाया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस मामले की समीक्षा की और फिर इस मामले में कार्रवाई की गई है। पिगॉट ने आगे कहा कि विदेश मंत्री रुबियो के नेतृत्व में हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएंगे।

हमास छोड़ेगा बंधक, पीछे हटेंगे इस्त्राइली सैनिक; ट्रंप बोले- पहले चरण पर ऐतिहासिक सहमति

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि इस्त्राइल और हमास ने दो साल से चले आ रहे गाजा संघर्ष को समाप्त करने की उनकी शांति योजना के पहले चरण पर सहमति व्यक्त की है। इस समझौते के तहत कुछ बंधकों और कैदियों की रिहाई तथा लड़ाई रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे। सभी बंधक बहुत जल्द रिहा होंगे- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इसका मतलब है कि सभी बंधक बहुत जल्द रिहा होंगे और इस्त्राइल अपनी सेनाओं को पहले चरण के तहत सहमति से निर्धारित क्षेत्र में वापस ले जाएगा। सभी पक्षों के साथ निष्पक्ष व्यवहार किया जाएगा। यह एक मजबूत, स्थायी और शाश्वत शांति की दिशा में पहला कदम है। इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईश्वर की कृपा से हम सभी को घर लाएंगे। वहीं हमास ने भी स्पष्ट किया कि इस समझौते के तहत इस्त्राइली सैनिकों की वापसी होगी और

मानवीय सहायता के साथ बंधकों और कैदियों का आदान-प्रदान संभव होगा। हमास ने ट्रंप और मध्यस्थों से अनुरोध किया कि इस्त्राइल इस समझौते के सभी प्रावधानों को बिना किसी देरी के लागू करे। 20 जीवित बंधकों को रिहा करेगा हमास हमास इस सप्ताहांत सभी 20 जीवित बंधकों को रिहा करेगा, जबकि इस्त्राइली सेना गाजा के अधिकांश हिस्से से पीछे हटना शुरू करेगी। हालांकि कई सवाल अभी भी बने हुए हैं, लेकिन इस समझौते से ऐसा लगता है कि दोनों पक्षों ने युद्ध समाप्त करने की दिशा में महीनों में सबसे ज्यादा प्रगति की है। दो साल के युद्ध में हजारों फिलिस्तीनियों की जानें गई हैं, गाजा का अधिकांश हिस्सा तबाह हो गया है और मध्य पूर्व में अन्य संघर्ष भी भड़के हैं। यह समझौता मिस्र में कई दिनों की वार्ता के बाद हुआ, जो ट्रंप समर्थित शांति योजना पर आधारित थी। ट्रंप की उम्मीद है कि इससे अंततः स्थायी शांति स्थापित होगी और क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थिरता आएगी। मध्य पूर्व की यात्रा करेंगे ट्रंप ट्रंप ने यह भी कहा कि वे कुछ ही दिनों में मध्य पूर्व की यात्रा करने पर विचार कर रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बूस्ट, कैट ने जताया करवा चौथ पर 25000 करोड़ के व्यापार का अनुमान

नईदिल्ली (एजेंसी)। चांदनी चौक से सांसद तथा कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने देश भर के लोगों खास तौर पर व्यापारियों से अपील की है कि वो भी अपनी पत्नी के सम्मान में करवा चौथ का व्रत रखें। खंडेलवाल ने कहा, इस पर्व से भारतीय अर्थव्यवस्था को बूस्ट मिलेगा। पारंपरिक भारतीय संस्कृति में करवा चौथ का विशेष महत्व है। यह पर्व नारी शक्ति के त्याग, समर्पण और प्रेम का प्रतीक है। हर वर्ष यह दिन विवाहित महिलाएँ अपने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए निर्जला व्रत रखकर मनाती हैं। यह परंपरा भारतीय परिवार व्यवस्था की सुदृढ़ता और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाती है। चांदनी चौक से सांसद तथा कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने देश भर के लोगों खास तौर पर व्यापारियों से अपील की है कि वो भी अपनी पत्नी के सम्मान में करवा चौथ का व्रत रखें। खंडेलवाल ने कहा, इस पर्व से भारतीय अर्थव्यवस्था को बूस्ट मिलेगा। कैट ने करवा चौथ पर देश में 25 हजार करोड़ रुपए के व्यापार का अनुमान लगाया है। खंडेलवाल ने कहा कि आज के समय में करवा चौथ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अवसर है, जो वैवाहिक रिश्ते में समानता और पारस्परिक सम्मान का संदेश देता है। जिस प्रकार महिलाएं अपने पतियों के दीर्घ जीवन के लिए उपवास रखती हैं, उसी प्रकार पुरुषों को भी अपनी पत्नियों के स्वास्थ्य, दीर्घायु और खुशहाली के लिए व्रत

रखना चाहिए। यह कदम न केवल प्रेम की अभिव्यक्ति है, बल्कि सच्चे अर्थों में 'जेंडर इक्वैलिटी' और परस्पर सम्मान का परिचायक है। । देश के बदलते सामाजिक परिवेश में अब कई युवा और प्रगतिशील पुरुष भी अपनी पत्नियों के साथ व्रत रखकर समानता की भावना को प्रकट कर रहे हैं। यह परंपरा और आधुनिक सोच का सुंदर संगम है। खंडेलवाल ने कहा, करवा चौथ का आर्थिक पहलू भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर देशभर के बाजारों में भारी रौनक रहती है। इस वर्ष करवा चौथ पर आभूषण, परिधान, कॉस्मेटिक्स, मिठाइयाँ, गिफ्ट आइटम्स और सजावटी सामान सहित अन्य सामानों की बिक्री में लगभग ?25,000 करोड़ के कारोबार का अनुमान है। इससे यह त्योहार न केवल भावनाओं का, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाला पर्व भी बन गया है। शुक्रवार को करवा चौथ जैसे बड़े त्यौहार जो देखते हुए दिल्ली एवं देश के बाजारों में बड़े स्तर पर व्यापारियों द्वारा तैयारियां की गई हैं। करवा चौथ में मुख्य रूप से पूजा की थाली, रोली एवं चावल रखने के लिए छोटी कटोरियाँ, चन्द्रमा को जल का अर्क देने के लिए लोटा अथवा गिलास एवं महिलाओं द्वारा चन्द्रमा को देखने के लिए छलनी मुख्य हैं। यह सभी वस्तुएं, सोने, चांदी, पीतल, स्टेनलेस स्टील अथवा कांसे की होती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी आवाहन के चलते कैट देश भर में भारत में ही बनी यह सारी वस्तुएं उपयोग में लाई जाएंगी, जबकि पहले में यह वस्तुएं अधिकांश रूप से चीन में बनी इस्तेमाल होती थी। यह इस व्रत की महिमा ही है कि कुंवारी कन्याएं भी मनवांछित जीवन साथी पानी के लिए यह व्रत रखती हैं। इस दिन विधि-विधान से माता पार्वती और भगवान श्री गणेश की पूजा की जाती है। पूजा-अर्चना करने के बाद करवा चौथ की कथा सुनी जाती है।

गरबा पर पथराव करने पर वालों पर बड़ी कार्रवाई, गांधीनगर में बुलडोजर एक्शन; 186 अवैध इमारत जमीदोंज

गांधीनगर (एजेंसी)। गांधीनगर जिले के एक गांव में हाल ही में हुए नवरात्रि उत्सव के दौरान पथराव की घटना में शामिल दंगाईयों पर एक्शन शुरू हो गया है। प्रशासन की ओर से 186 अवैध इमारतों को ध्वस्त करने का अभियान शुरू किया जा चुका है। गुजरात के गांधीनगर में गरबा पर पथराव करने पर वालों पर बड़ी कार्रवाई की जा रही है। गरबा के दौरान हुई हिंसा मामले में भूपेंद्र पटेल सरकार ने बड़ा एक्शन लेते हुए दंगाइयों की अवैध संपत्तियों को ध्वस्त करने का काम शुरू कर दिया है। बीते 24 सितंबर को बहियाल गांव में गरबा के दौरान पत्थरबाजी और हिंसा की घटना सामने आई थी। जिसके बाद अब बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया और अवैध प्रॉपर्टी पर गुरुवार (09 अक्तूबर) सुबह-सुबह ही पीला पंजा गरजना शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार पहले चरण में प्रशासन 186

अवैध कब्जे जमींदोज कर देगा। इसके लिए इलाके में 500 से ज्यादा पुलिस बलों की तैनाती की गई है। वहीं अवैध कब्जा हटाने के लिए 20 जेसीबी और 50 ट्रकों के जरिए जमीन खाली कराने का काम तेजी से किया जा रहा है। बता दें कि नवरात्रि उत्सव के बीच 24 सितंबर की रात अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के एक समूह ने गांधीनगर शहर से 38 किमी दूर बहियाल गांव में एक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कई दुकानों और वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया और पथराव किया। पुलिस ने गांव में हुई झड़प और दंगे के लिए लगभग 60 लोगों को हिरासत में लिया था। पुलिस ने बताया कि दंगे में 200 से ज्यादा लोग शामिल थे, जिसमें कई वाहन और दुकानें क्षतिग्रस्त हुईं और कुछ को आग के हवाले कर दिया गया था। गांधीनगर पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासमसेट्टी ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को गांव में कुल 186 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को ध्वस्त करने का अभियान चलाया।

'व्यापार और टैरिफ की धमकी से खत्म कराया भारत-पाकिस्तान संघर्ष'

ट्रंप ने फिर अलापा राग

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम को लेकर एक बार फिर दावा किया गया है कि उन्होंने व्यापार और टैरिफ धमकी से दोनों देशों के बीच शांति स्थापित की है। 10 मई 2025 को हुए संघर्षविराम के बाद लगभग 20 से अधिक बार उनकी तरफ से ये दावा किया जा चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव को खत्म करवाने में अहम भूमिका निभाई। ट्रंप का कहना है कि उन्होंने दोनों देशों को बड़े व्यापारिक प्रतिबंधों और भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, जिसके बाद ही लड़ाई रुकी। एक समाचार चैनल को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'मेरी ताकत व्यापार और टैरिफ का इस्तेमाल है। इससे लाखों जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। मैंने सात शांति समझौते कराए, जिनमें से पांच में व्यापारिक दबाव से ही देशों को लड़ाई रोकनी पड़ी।' 'मैंने 24 घंटे में समझौता करा दिया' उन्होंने उदाहरण के तौर पर भारत-पाकिस्तान का नाम लिया। ट्रंप के

मुताबिक, उन्होंने दोनों देशों को चेतावनी दी कि अगर वे लड़ाई बंद नहीं करेंगे तो अमेरिका उनके साथ कोई व्यापार नहीं करेगा और उन पर भारी टैरिफ लगाएगा। ट्रंप ने कहा, 'मैंने कहा- हम किसी से भी व्यापार नहीं करेंगे, अगर तुम लोग झगड़ा बंद नहीं करते। दोनों परमाणु देश हैं। सात विमान गिराए गए थे, हालात बहुत गर्म थे। मैंने 24 घंटे में समझौता करा दिया और लड़ाई रुक गई।' भारत-पाकिस्तान संघर्ष और संघर्षविराम भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस सैन्य अभियान में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। दोनों देशों के बीच चार दिन तक ड्रोन और मिसाइल से हमले किए गए। आखिर 10 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य अफसरों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत हुई और दोनों पक्षों ने संघर्ष विराम पर सहमति जताई। भारत ने हमेशा कहा है कि यह समझौता दोनों देशों की सीधी बातचीत से हुआ था, किसी तीसरे देश की मध्यस्थता से नहीं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।